भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति अपने विचारों को शुद्ध और कर्मों को सही रखता है, उसके जीवन में शांति किसी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती।

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

दैनिक
# भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-32 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 22 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

## सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

### मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

### तकनीक, आधुनिकता और टूटता संयुक्त परिवार : क्या हम अपनी जड़ों से दूर हो रहे हैं?

भारतीय समाज की सबसे सशक्त और विशिष्ट पहचान संयुक्त परिवार रहा है। यह केवल एक पारिवारिक ढांचा नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला, भावनात्मक सुरक्षा का कवच और सामाजिक संतुलन का आधार रहा है। दादा-दादी की छाया, चाचा-ताऊ का मार्गदर्शन, बुआ-मौसी का स्नेह और भाई-बहनों का साझा संघर्ष—यही वह सामाजिक पूंजी थी, जिसने पीढ़ियों तक भारतीय समाज को जोड़कर रखा। लेकिन आधुनिक परिवेश, तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण और तकनीकी विकास ने इस मजबूत व्यवस्था को गंभीर चुनौती के सामने ला खड़ा किया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज का युग अवसरों का युग है। बेहतर शिक्षा, रोजगार, करियर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की तलाश में लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। महानगरों की सीमित जगह, बढ़ती महंगाई और तेज़ जीवनशैली ने संयुक्त परिवार के लिए स्थान ही नहीं छोड़ा। छोटे फ्लैट, नौकरी की अनिश्चितता और व्यक्तिगत फैसलों की प्राथमिकता ने एकल परिवार को व्यवहारिक विकल्प बना दिया। परिणामस्वरूप, वह परिवार व्यवस्था, जिसमें समस्याओं का समाधान सामूहिक रूप से होता था, धीरे-धीरे टूटने लगी। इस परिवर्तन में तकनीक की भूमिका भी दोहरी रही है। एक ओर टेलीफोन, मोबाइल और इंटरनेट ने दूर बैठे परिजनों को जोड़ने का माध्यम दिया है। आज वीडियो कॉल पर दादी पोते को कहानी सुना सकती हैं, भाई-बहन हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी एक-दूसरे की खबर रख सकते हैं। त्योहारों की शुभकामनाएं, दुख-सुख की जानकारी अब कुछ ही सेकंड में मिल जाती है। यह तकनीक का सकारात्मक पक्ष है, जिसने दूरी को कम करने का प्रयास किया है।

लेकिन दूसरी ओर यही तकनीक रिश्तों के बीच दीवार भी बनती जा रही है। मोबाइल फोन आज परिवार के हर सदस्य के हाथ में है, लेकिन दिलों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है। एक ही घर में रहते हुए लोग एक-दूसरे से बात करने के बजाय स्क्रीन से जुड़े रहते हैं। भोजन की मेज पर संवाद की जगह साइलेंट स्क्रॉलिंग ने ले ली है। बच्चों के सवालों के जवाब माता-पिता के पास समय के अभाव में नहीं होते, और बुजुर्गों की भावनाएं अनकही रह जाती हैं। संयुक्त परिवार की वह आत्मीयता, जहाँ हर सदस्य एक-दूसरे की जिम्मेदारी समझता था, आज धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। संयुक्त परिवार के टूटने का प्रभाव केवल भावनात्मक ही नहीं, सामाजिक भी है। पहले बच्चे संयुक्त परिवार में रहकर सहयोग, सहनशीलता और सामूहिकता सीखते थे। आज एकल परिवारों में बच्चे अधिक स्वतंत्र तो हैं, लेकिन कई बार अकेलेपन और असुरक्षा का शिकार भी हो जाते हैं। बुजुर्गों के लिए यह बदलाव और भी पीड़ादायक है। जिन लोगों ने अपना पूरा जीवन परिवार के लिए समर्पित किया, वही वृद्धावस्था में अकेलेपन से जूझते दिखाई देते हैं। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस सामाजिक विघटन की मूक गवाह है।

हालाँकि यह भी सत्य है कि संयुक्त परिवार केवल साथ रहने से नहीं चलता, उसमें सम्मान, समझ और समन्वय की आवश्यकता होती है। आधुनिक पीढ़ी की सोच, जीवनशैली और अपेक्षाएं बदल चुकी हैं। यदि संयुक्त परिवार में संवाद की कमी हो, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान न हो और पुराने-नए विचारों के बीच संतुलन न बने, तो टकराव स्वाभाविक है। इसलिए समस्या का समाधान केवल संयुक्त परिवार की वकालत करना नहीं, बल्कि उसे समय के अनुसार ढालना भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक को रिश्तों का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक बनाएं। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग संवाद बढ़ाने के लिए हो, दूरी बनाने के लिए नहीं। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो, जब परिवार के सभी सदस्य बिना किसी स्क्रीन के एक साथ बैठें, बातचीत करें, एक-दूसरे को सुनें। त्योहारों, पारिवारिक आयोजनों और परंपराओं को केवल औपचारिकता न बनाकर, भावनात्मक जुड़ाव का अवसर बनाया जाए। संयुक्त परिवार आज भी भारतीय समाज के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि यह आर्थिक, भावनात्मक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। कठिन समय में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा बनता है। महामारी जैसे संकटों ने यह सिखाया कि परिवार का साथ कितना महत्वपूर्ण है। जहाँ संयुक्त परिवार मजबूत थे, वहाँ लोगों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर संकट का सामना किया।

आधुनिकता और परंपरा के बीच संघर्ष आवश्यक नहीं, संतुलन आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि विकास का अर्थ अपनी जड़ों को काटना नहीं, बल्कि उन्हें और मजबूत करना है। यदि हम सम्मान, संवाद और समझदारी के साथ संयुक्त परिवार की भावना को जीवित रखें, तो तकनीक और आधुनिकता भी हमारे सामाजिक ढांचे को कमजोर नहीं कर पाएंगी। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि हम संयुक्त परिवार में रहते हैं या एकल परिवार में, बल्कि यह है कि हम रिश्तों को कितनी प्राथमिकता देते हैं। यदि दिल जुड़े रहें, संवाद बना रहे और जिम्मेदारियों का बोध हो, तो संयुक्त परिवार की आत्मा आज भी जीवित रह सकती है। यही वह रास्ता है, जिससे हम आधुनिक चुनौतियों के बीच अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाते हुए एक मजबूत, संवेदनशील और संतुलित समाज का निर्माण कर सकते हैं।

# लोक अदालत में 19 साल के बेटे ने मां-बाप को मिलवाया:

## 6 साल से अलग रह रहे थे

## सचिव के सामने रोई विधवा, हाथ जोड़े, बैंक ने ब्याज माफ किया

भीम प्रज्ञा न्यूज

**जालोर ।** जालोर में रविवार को आयोजित हुई लोक अदालत में 19 साल के बेटे ने 6 साल से अलग रह रहे माता-पिता को साथ रहने के लिए समझाया। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को माला पहनाई और पूरा परिवार घर के लिए साथ-साथ निकल गया। यहां मौजूद लोगों ने बेटे को मां-बाप को लोक अदालत तक लाने की तारीफ भी की। वहीं ब्याज की राशि कम कराने और किस्त को लेकर एक विधवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के आगे रो पड़ी। कहा- जब तक वो (पति) थे तब तक ठीक था। अब रुपए भरने की हिम्मत नहीं है। पति की कैंसर से मौत हो गई है। ढोल बजा कर खर्च चलाती हूं, पैसे नहीं है भरने को मदद कीजिए। इसके बाद बैंक से समझाइश की गई और महिला की रकम का 30 हजार में सेटलमेंट किया गया।




### 6 साल से अलग रह रहे थे पति पत्नी

बाल कल्याण समिति की सदस्य और वकील सरिता चौधरी ने बताया- जालोर के पिजोपुरा गांव निवासी सांवलाराम देवासी व खेड़ा गांव निवासी भूरी देवी की करीब 2004 में हिन्दू रीति रिवाज से शादी हुई थी। दोनों के बीच 15 साल बाद विवाद होना शुरू हो गया। दोनों 2019 से अलग रह रहे थे। दोनों के तीन बेटे भी हैं, सबसे बड़ा हमीराराम, उसके बाद भरत और फिर तेजाराम है। भूरी देवी ने 3 साल पहले बाल कल्याण समिति के सामने ये मामला रखा था। इसमें भरण-पोषण देने का मामला दर्ज करवाया था। पति सांवलाराम ने करीब 2025 तक भरण पोषण देता रहा। लगातार कोर्ट में चल रहे मामले के दौरान पूरा परिवार ही मानसिक तनाव झेल रहा था।

### 30 हजार पर सेट हुआ मामला

मामला लोक अदालत में आया तो महिला रोने लगी। हाथ जोड़ने लगी। आसपास खड़े लोगों को अपनी समस्या बताई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद की समझाइश के दौरान मूल रकम भरने की बात की। जिसके बाद आईडीबीआई बैंक के द्वारा 30 हजार पर सैटलमेंट कर दिया।

### बड़े बेटे ने मां को समझाया फिर पिता को राजी किया

इस दौरान 19 साल के सबसे बड़े बेटे हमीराराम ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई। वह लगातार मां-बाप से इस मामले को लेकर समझाइश करता रहा। दोनों छोटे भाइयों की परवरिश की दुहाई देता रहा। इसके बाद मामला लोक अदालत में पेश किया गया। लोकअदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजेन्द्र सिंह चारण ने समझाइश की। इसके बाद दोनों पति-पत्नी सांवलराम और भूरी देवी के बीच समझौता हुआ। उसके बाद लोक अदालत में दोनों ने लोक अदालत में एक दूसरे को आमने-सामने माला पहनाकर एक दूसरे का जीवन भर साथ निभाने की कसम खाई।

### 50 हजार के लोन का ब्याज 1 लाख पहुंचा

दूसरे मामले में जालोर के आहोर उपखण्ड के चुंडा गांव निवासी रूपाराम दमामी ने अपनी जरूरत के लिए आईडीबीआई बैंक से करीब 50 हजार का लोन 2020 में लिया था। लोन के कुछ पैसे भर दिए थे। लेकिन उसके बाद रूपाराम को कैंसर की बीमारी हो गई और 2023 में मौत हो गई। रूपाराम की पत्नी घर में अकेली कमाने वाली बची थी। ऐसे में वह घरों में मांगलिक कार्यों में ढोल बजा कर ब्याज भर रही थी। आर्थिक हालत बिगड़ी तो वह अब रुपए भरने में सक्षम नहीं रही। ऐसे में 2025 में ब्याज की रकम 1 लाख रुपए पहुंच गई।

## 140 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया:

# गौड़ ब्राह्मण महासभा ने संत सानिध्य में किया प्रतिभा सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज

**चूरू ।** चूरू में गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा दादा बाड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में कुल 140 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम संत दंडी स्वामी जोगेन्द्राश्रम, भद्रकाली शक्तिपीठ, राजलदेसर के सान्निध्य में संपन्न हुआ। महासभा के प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल मुख्य मेहमान थे, जबकि जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में उपाध्यक्ष विजय बासोतिया, कुलपति प्रो. महेश दीक्षित, प्रिंसिपल डॉ. मंजू शर्मा, महामंत्री रामस्वरूप जोशी और युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज पचलंगिया शामिल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पदाधिकारियों ने अतिथियों का माला, शाल, साफा और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। संत दंडी स्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि जिस भूमि पर हम निवास कर रहे हैं, वहां अनेक ब्राह्मण महापुरुषों ने जन्म लिया है। उन्होंने ब्राह्मणों को शस्त्र के बजाय शास्त्र का पालन करने की प्रेरणा दी।प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल ने कहा कि ब्राह्मण समाज मजबूत है और इसे और सशक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उपाध्यक्ष विजय बासोतिया, युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज पचलंगिया, कुलपति प्रो. महेश दीक्षित और प्राचार्य डॉ. मंजू शर्मा ने समाज को संगठित होने और युवाओं को प्रेरित करने का संदेश दिया। जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संरक्षक डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन डॉ. मनोज योगाचार्य और विनीता शर्मा ने किया।

# पलवल के आदित्य वाल्मिकी के साथ हुई बर्बर घटना की भीम आर्मी निंदा करती है-प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार

## आरोपीयों को कड़ी से कड़ी सज़ा तक आन्दोलन जारी रहेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलवल।

**विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) ।** पलवल के बाल भवन परिसर में आज आदित्य वाल्मीकि के साथ जातिवादी तत्वों द्वारा की गई बर्बर घटना के विरोध में एक महापंचायत का आयोजन किया गया। यह महापंचायत पीड़ित को न्याय दिलाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आयोजित की गई।उल्लेखनीय है कि इस मामले में एफआईआर संख्या 336/2025 दर्ज की जा चुकी है, किंतु अब तक पीड़ित को पूर्ण न्याय नहीं मिल पाया है। इसी के विरोध में सामाजिक संगठनों एवं संविधान में आस्था रखने वाले नागरिकों द्वारा यह महापंचायत आयोजित की गई। यह कार्यक्रम भीम आर्मी एवं आज़ाद समाज पार्टी के संयुक्त आह्वान पर आयोजित किया गया। महापंचायत का आयोजन पार्टी की लीगल टीम के राष्ट्रीय चेयरमैन एडवोकेट मोहन श्याम आर्य के निर्देशानुसार तथा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष (लीगल सेल) एडवोकेट ध्रुव कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। महापंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संविधान विरोधी और जातिवादी हिंसा को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को कड़ी सज़ा दिलाने तक आंदोलन जारी रहेगा। वक्ताओं ने संविधान, समानता और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं एवं पदाधिकारियों में एडवोकेट शैलेन्द्र जोहरी (जिला अध्यक्ष, लीगल सेल, पलवल), एडवोकेट विष्णु बड़गुज्जर (जिला अध्यक्ष, लीगल सेल, भीम आर्मी), सोनू वालिया (जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा, आज़ाद समाज पार्टी, फरीदाबाद), अजय गौतम (जिला उपाध्यक्ष, आज़ाद समाज पार्टी, फरीदाबाद), राकेश (भीम आर्मी, पलवल), एडवोकेट सौरभ (लीगल सेल, भीम आर्मी, पलवल), एडवोकेट अजय (जिला उपाध्यक्ष, लीगल सेल, भीम आर्मी, पलवल), सागर तंवर (जिला सचिव, आज़ाद समाज पार्टी) जिला अध्यक्ष रणवीर चौधरी जी आजाद समाज पार्टी फरीदाबाद विधानसभा अध्यक्ष रोहित जी विधानसभा प्रभारी टिंकू बल्लभगढ़सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।महापंचायत में यह स्पष्ट किया गया कि जब तक आदित्य वाल्मीकि को न्याय नहीं मिलता और FIR 336/2025 में दोषियों को सख्त सज़ा नहीं दी जाती, तब तक लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।

# अरावली बचाने जयपुर में हुंकार, पदयात्रा से शुरू हुआ सत्याग्रहः

## खाचरियावास बोले- गलत रिपोर्ट के दम पर अरावली की पहाड़िया खत्म करने की साजिश

भीम प्रज्ञा न्यूज

**जयपुर ।** अरावली पर्वतमाला को खत्म करने के कथित फैसले के विरोध में जयपुर की सड़कों पर रविवार को जनआक्रोश साफ दिखाई दिया। पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों के अस्तित्व को बचाने के संकल्प के साथ पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में हजारों लोग हाथों में तख्तियां-बैनर लिए सड़कों पर उतरे और 'अरावली बचाओ-जीवन बचाओ' का नारा बुलंद किया। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में 'अरावली बचाओ-जीवन बचाओ' सत्याग्रह के तहत खाचरियावास हाउस से अंबेडकर सर्किल तक विशाल पदयात्रा निकाली गई। सचिवालय के पास स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे 45 मिनट का मौन सत्याग्रह कर आंदोलन का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

### भाजपा सरकार पर सीधा आरोप

खाचरियावास ने कहा कि अरावली पर्वतमाला को समाप्त करने के फैसले के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 में भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा गठित समिति ने उद्योगपतियों से सांठ गांठ कर गलत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की, जिसके आधार पर 100 मीटर से नीचे की पहाड़ियों को अरावली मानने से इनकार किया गया।

# ब्लॉक आयुष चिकित्सालय का शुभारंभ आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

कस्बे की पांच बती के पास खेल मैदान में स्थित राजकीय ब्लॉक आयुष चिकित्सालय का शुभारंभ सोमवार को 11:15 बजे विधिवत रूप से होगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व बीजेपी लोक सभा प्रत्याशी झुंझुनू शुभकरण चौधरी होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के उप निदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपखंड अधिकारी श्रीमती सुमन सोनल,तहसीलदार झुण्डा राम कुड़ी,बीसीएमओ डॉ मुकेश भूपेश,अधिशासी अधिकारी तौफीक अहमद,नरेश गुप्ता,डॉ अनिमेष गुप्ता प्रभारी सीएचसी, मनफूल महरिया,रामफूल मीणा सीआई व प्रिंसिपल प्रदीप चौधरी होंगे।

जानकारी देते हुए आयुष चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर राकेश माहिच ने बताया कि इस शुभारंभ की बेला पर हॉस्पिटल सृजित करने में सहयोग करने वाले भामाशाहों एवं सराहनीय कार्य करने वाले जनों का सम्मान अतिथियों के करकमलों से होगा। प्रभारी ने आयुर्वेद चिकित्सा के इस पुनीत अवसर पर अधिक से अधिक नगरिकों को उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

# डॉक्टर अजय कुमावत को मलेरिया बीमारी की रोकथाम के लिए मिला सम्मान



भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

**सुमेर मीणा ।** कस्बे में टिटेडा के पास स्थित श्री राम कुमावत के लाडले बेटे डॉक्टर अजय कुमावत का सम्मान होने पर कस्बे में खुशी की लहर है घडॉ. अजय कुमावत को मलेरिया बीमारी की रोकथाम के लिए मिला सम्मान मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्याल में हुऐ दीक्षांत समारोह में डॉ. अजय कुमावत S/o श्रीराम कुमावत उदयपुरवाटी को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा और पंजाब राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा विद्यावाचस्पति की उपाधि व सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. अजय ने अपना शोध मलेरिया बीमारी के वाहकों की रोकथाम पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र कुमार के निर्देशन में किया। वर्तमान में डॉ. अजय राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली में वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं जहां रोगों के नियंत्रण के लिए शोध कार्य कर देश सेवा में योगदान कर रहे हैं। इस गौरवमयी उपलब्धि पर शहर के गणमान्य लोगों और परिवारजनों ने बधाई दी।

# मत्स्य पालन
## आजीविका का बेहतर जरिया

आज भारत मत्स्य उत्पादक देश के रूप में उभर रहा है। एक समय था, जब मछलियों को तालाब, नदी या सागर के भरोसे रखा जाता था। बदलते वैज्ञानिक परिवेश में इसके लिए कृत्रिम जलाशय बनाए जा रहे हैं, जहां वे सारी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं जो प्राकृतिक रूप में नदी, तालाब और सागर में होती हैं। छोटे शहरों और गांवों के वे युवा, जो कम शिक्षित हैं वे भी मछली पालन उद्योग लगा कर अच्छी आजीविका अर्जित कर सकते हैं। देश के लाखों लोगों का चूल्हा इसी उद्योग से जलता है। मछली पालन उद्योग ज्यादातर तटीय इलाकों पर ही फलता-फूलता है।

### आर्थिक सुदृढ़ता में सहायक

मत्स्य पालन ने वर्ष 2008 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। भारत में मछली पकडऩे के व्यवसाय में लगभग 14.5 लाख लोग जुड़े हुए हैं। विश्व के लगभग आधे देश भारत में पैदा होने वाली मछली का उपभोग करते हैं। इस प्रकार यह उद्योग आर्थिकी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार भी देता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि शिल्प में सुधार देखा गया है। मछली पकडऩे से आर्थिक लाभ के लिए भारत सरकार ने विशेष आर्थिक पैकेज अपनाया है। इसके लिए हिंद महासागर का 370 किलोमीटर और 2 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र इसमें शामिल किया गया है।

### प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- अंतरदेशीय मत्स्य संस्थान, केरल
- केंद्रीय संस्थान मत्स्य प्रौद्योगिकी, कोच्चि
- केंद्रीय मत्स्य समुद्री और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान जुहु, मुंबई
- मत्स्य पालन केंद्रीय तटीय इंजीनियरिंग संस्थान, बंगलूर
- सेंट्रल इन्लैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट बैरकपुर, कोलकाता
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोचीन
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट फ्रेश वाटर एक्वाकल्चर भुवनेश्वर, ओडिशा
- डायरेक्टरेट ऑफ कोल्ड वाटर फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट भीमताल, उत्तराखंड
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना
- इसके अलावा भारत में 19 मत्स्य पालन से संबंधित कालेज हैं और एक मत्स्य पालन विश्वविद्यालय (सीआईएफई) इस क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर रहा है।

### शैक्षणिक योग्यता

मत्स्य पालन में तकनीकी ज्ञान का विशेष महत्व होता है। तकनीकी कौशल का होना अनिवार्य है, लेकिन अगर अभ्यर्थी ने बीएससी मेडिकल साइंस अथवा जूलॉजी जैसे विषयों में विधिवत शिक्षा प्राप्त की हो तो सुविधा रहती है। इस क्षेत्र में डीएफएसए और एमएससी की डिग्री भी होती है।

### वेतनमान

मत्स्य पालन में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपने मछली पालन को किस स्तर पर अपनाया हुआ है और किस प्रजाति की मछली को पालन के लिए चुना है। वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन करने पर प्रति महीने एक लाख तक आमदनी हो सकती है।

### चुनौतियां कम नहीं

इस व्यवसाए से जुड़े लोग जोखिम भरी जिंदगी जीते हैं। समुद्र की लहरों से जूझने का जज्बा रखने वाले लोग ही इस करियर में कामयाब होते हैं। कभी-कभी तो ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते हैं कि पाकिस्तान या दूसरे किसी देश ने हमारे मछुआरों को कैद कर लिया यानी कि मछली पकड़ते हुए दूसरे देश की हद में निकल जाते हैं और फिर घुसपैठ का आरोप लगाकर दूसरे देश द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। इस क्षेत्र में अपना रोजगार शुरू करने वाले को तालाब बनाने पर काफी खर्च करना पड़ता है। कभी-कभी तो ऋण लेने की नौबत भी आ जाती है। इसके अलावा कई बार मछलियां किसी बीमारी का शिकार हो जाती हैं, तो फिश फारम चलाने वालों को बड़ा आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ता है।

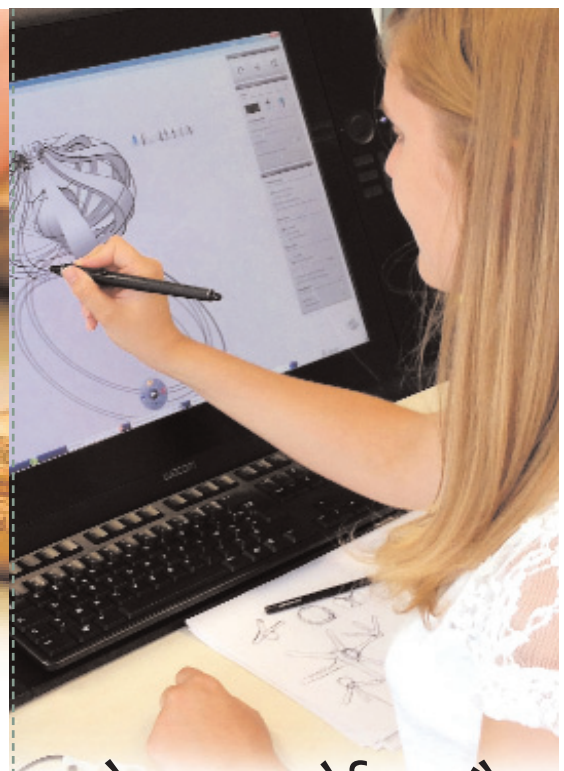

# इमिटेशन ज्वेलरी
## उद्योग का अच्छा पर्याय

**आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं।**

आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है।

सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। हर व्यक्ति अपना कॅरियर बनाना चाहता है आवश्यकता होती है अच्छा और दमदार पर्याय ढूढ़ निकालने का। आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं। आजकल इस युग में नकली का बोलबाला है। असली कुछ मिलता ही नहीं। यहां तक कि जहर भी नकली आने लगा है। खाने के बाद भी आदमी

जिन्दा बच जाता है।

इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है। सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। अब समाज का हर वर्ग न सिर्फ धनी और उच्च बल्कि मध्यम वर्ग भी इस तरफ आकर्षित होने लगा है। इस व्यवसाय में खास धूम मचाने वाले पूरे विश्व में सिर्फ दो ही देश है- पहला भारत और दूसरा चीन।

इस इमिटेशन ज्वेलरी के निर्माण में चीन पहले क्रमांक पर है। भारत में इस व्यवसाय में 900 हजार करोड़ का लेन-देन होता है और लगभग पांच लाख लोगों को इस क्षेत्र में रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। परन्तु बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि बीते दो सालों में चीन ने भारत से 30 प्रतिशत व्यवसाय छीन लिया है। इस प्रकार का कब्जा भारत में इमिटेशन ज्वेलरी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी के आन-लाइन विक्रय का प्रतिशत मात्र एक है। अभी इसमें काफी सुधार लाने की आवश्यकता है। अनुमानत- इस उद्योग को घरेलू उद्योग में गिना जा सकता है। क्योंकि 20 से 30 लाख तक का रॉ मटेरियल लाकर घर में ही चार-पांच महिलाएं मिलकर ज्वेलरी का काम शुरू कर सकती हैं। इस ज्वेलरी का निर्यात कर पाना भी संभव हो सकेगा। जब उसके निर्माण में नए-नए डिजाइन का इस्तेमाल करें। इस उद्योग में हर साल 20 प्रतिशत की वृद्धि भी संभव हो सकती है। यदि हम भारत की ही बात करें तो सिर्फ महानगरी मुंबई में ही तीन हजार से अधिक उद्योजक इस व्यवसाय से जुड़े हैं।

ये सभी व्यवसायी उत्पादन, ट्रेडिंग निर्यात प्रोसेसिंग, रॉ मटेरीयल इत्यादि क्षेत्रों से जुड़े हैं। इन सब का टर्न ओव्हर से 1 लेकर 50 करोड़ तक का है। मुंबई की तर्ज पर ही यह उद्योग गुजरात और राजस्थान में भी फल-फूल रहा है। यदि उद्योजकों ने नई कनीक का लाभ उठाते हुए ई-कामर्स के माध्यम से पूरे विश्व में ज्वेलरी का विक्रय किया तो वो दिन दूर नहीं जब इस इमिटेशन ज्वेलरी का ग्राहक हाथों हाथ झेल लेगा। इस व्यवसाय को यदि आज का तरुण वर्ग या तरुणियां अपनाना चाहती हैं तो उन्हें पांच कामगार 500 वर्गफुट जगह, ई-कामर्स वेबसाईट का ज्ञान और मार्केटिंग का टेक्ट मालूम होना आवश्यक है।

### कम लागत

इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए लागत (कैपिटल) 20 से 30 लाख रुपए अनुमानित हो सकती है। इस ज्वेलरी में 20 से 25 प्रतिशत नफा सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। यह व्यवसाय अच्छा चल जाए तो लागत को देखते हुए एक साल में एक कोटि तक पहुंचा सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी का मार्केट, यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और एशियाई देशों में बहुत बड़े प्रमाण पर होता है। यदि युवाओं ने मेहनत और लगन के साथ व्यवसाय किया तो न सिर्फ यह शहरों तक सीमित रहेगा बल्कि गांव, कस्बों तक फैलाया जा सकता है। इस उद्योग के शुरू होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकते हैं। हम चाहेंगे युवा बेझिझक इस क्षेत्र में आएं। अच्छा कैरियर बनाएं, नाम कमाएं, निर्णय उन्हें लेने दें।

### कोर्स के दौरान

तेज़ी से बढ़ते इस क्षेत्र की डिमांड लोगों को इसमें करियर बनाने के लिए आकर्षित कर रही है। ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान अलग-अलग पत्थरों, ज्वेलरी बनाने में कलर कॉम्बिनेशन, डिज़ाइन थीम, प्रेज़ेंटेशन, फ्लेमिंग, कॉस्ट्म ज्वेलरी आदि सिखाया जाता है।

### तकनीकी शिक्षा

ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान कम्प्यूटर एडेड ज्वेलरी सॉफ्टवेयर, जैसे- ज्वेल कैड, ऑटो कैड, 3 डी स्टूडियो आदि के बारे में टेक्निकल नॉलेज भी दिया जाता है। इसके साथ ही फोटोशॉप, कोरल ड्रॉ, वेट एंड मेटल कम्पोजिशन के बारे में भी बताया जाता है।

### प्रमुख संस्थान

- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई।
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई।
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर।
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- जैम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।
- ज्वेलरी डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, नोएडा।
- एसएनडीटी यूनिवर्सिटी, मुंबई।



## ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी

ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए सबसे पहले इस क्षेत्र के प्रति लगाव और ज्वेलरी डिज़ाइन का सेंस होना बहुत ज़रूरी है। इसके साथ ही क्रिएटिव, कल्पनाशील, न्यू ट्रेंड का सेंस, फैशन सेंस आदि के साथ मेहनती होना बहुत आवश्यक है। ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो धैर्य को अपना साथी बना लें। इस काम में ईमानदारी भी बहुत ज़रूरी होती है। ख़ासतौर पर अगर आप किसी गोल्ड, डायमंड जैसी धातुओं से ज्वेलरी बनाने में लगे हैं, तो थोड़ी सी भी लापरवाही आपके व्यक्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगा सकती है। ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी है।

### रोजगार के अवसर

ज्वेलरी डिज़ाइन में आगे बढऩे के लिए बहुत स्कोप है। कोर्स करने के बाद आप फुल टाइम किसी कंपनी के साथ जुडक़र काम शुरु कर सकते हैं। ज्वेलरी डिज़ाइन हाउस, एक्सपोर्ट हाउस, फैशन हाउस आदि जगहों पर आप काम शुरु कर सकते हैं। इसके साथ ही अगर आप आर्थिक रूप से मज़बूत हैं, तो ऑफिस-कम होम से भी काम शुरु कर सकते हैं। घर से काम शुरु करने के कई फ़ायदे होते हैं। घर के काम के अलावा आप अपने करियर को भी संवार सकते हैं। इतना ही नहीं दिन में किसी ऑफिस में काम करके आप घर पर पार्ट टाइम इस काम को जारी रख सकते हैं। आप अगर किसी कंपनी से फुल टाइम नहीं जुडऩा चाहते तो फ्रीलांस के तौर पर काम शुरू कर सकते हैं। इससे आप मनमुताबिक़ पैसा कमा सकते हैं।

# खुद को दूसरे से कम न आंकिए

सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें। सफलता मिलने की आशा नहीं है, तो इस का मतलब यह नहीं कि कोशिश ही न करें। असफलता मिलने की उम्मीद के कारण कोई कार्य ही न करें। कार्य करें और अपनी ओर से पूर्ण मेहनत के साथ कार्य करें। पर अगर मन में जरा-सी भी शंका हो तब उस शंका का निवारण जरूरी है। दरअसल प्रयत्न और भीतर की आवाज सुनने में एक तरह से संतुलन बैठाना होता है और जिसने सही तरीके से संतुलन बिठा लिया, उसकी सफलता की दर बढऩे की संभावना रहती है, क्योंकि वह अपनी गलतियों को स्वयं के सामने रखने का माद्दा रखता है। कई बार ऐसा होता है कि स्टूडेंट्स दूसरों के ओपिनियन के आधार पर अपने बारे में गलत राय बना लेते हैं। याद रखिए जो कामयाब हैं वे इसलिए कि वे अपने को किसी से कम नहीं आंकते। वे हमेशा अपनी बेहतर चीजों पर फोकस करते हुए अपना सेल्फ कान्फिडेंस बढ़ाते रहते हैं और अपनी पर्सनेलिटी को चमकाते रहते हैं। इसलिए अपने भीतर झांकिए और दूसरों से अपने को बिलकुल कम मत आंकिए कई स्टूडेंट्स इस प्रॉब्लम से जूझते दिखाई देते हैं। न तो उनका फिजिकल अपीरियंस अच्छा है न उनकी चाल न उनकी आवाज अच्छी है और न एटीच्यूड। वे दूसरों की धारणा पर अपने बारे में राय बना लेते हैं और परेशान रहते हैं। वे अपनी स्टडी, कैरियर और लाइफ से नाखुश रहते हैं। इसलिए वे कोशिश करते हैं कि वे कुछ और हो जाएं। कामयाब होने की पहली सीढ़ी है अपने को स्वीकार करना, अपने को प्यार करना और अपनी गलतियों को भुला देना। इसकी आज से ही शुरुआत कर दीजिए। यहां दी जा रही कुछ टिप्स को अपनाएं और आगे बढ़ जाएं।

गौरतलब है कि सबसे पहली बात तो यह है कि अपने बारे में तमाम नापसंद बातों को भूल जाएं। आपको लगता है कि न तो आप स्मार्ट हैं और न ही हंबल, यह सब निगेटिव थिंकिंग का रिजल्ट है। इसलिए अपने बारे में अच्छी बातें सोचिए। अपने बारे में दूसरों की राय को ज्यादा महत्त्व मत दीजिए और अपने को सफल होते देखने की आदत डालिए।

आत्मविश्वास बड़ाने का एक आसान और सहज तरीका है अपने को आईने में देखना। आईने के समाने खड़े होकर अपने से लगातार कहते रहिए कि आप यूनिक हैं, हैंडसम हैं या ब्यूटीफुल हैं। सेल्फ कान्फिडेंस हासिल करने के बाद उस तरफ बढने की कोशिश करिए, जो आप हासिल करना चाहते हैं। अपने बारे में तमाम अच्छी बातें या अपनी क्वालिटीज को लिख लें और कमजोरियों को भी लिख लें । यदि आपको लगता है कि आप जल्द ही इमोशनल हो जाते हैं या हर्ट हो जाते हैं तो उसकी जड़ों को समझने की कोशिश करिए। इससे आप अपने ही बारे में बेहतर अंडरस्टैंडिंग बना पाएंगे। दुनिया में तमाम ऐसे उदाहरण हैं कि जिनके पास खूब पैसा और शोहरत थी, लेकिन वे कभी अपनी जिंदगी में खुश नहीं रह पाए। जाहिर है खुशी बाहर नहीं, भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं। यह पूरी तरह आप पर निर्भर है कि आप खुश रहना चाहते हैं कि दुखी। इसलिए अपने भीतर सदा ग्रीनर साइड ही देखें। अपने बारे में हमेशा सकारात्मक सोचें। क्योंकि आपकी सोच ही आपकी जिंदगी का आईना होती है। मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। तो क्यों न ऐसा सोचा जाए कि आप अच्छे बन जाएं। नकारात्मक सोच आपको असफलता के धुंधलके में ले जाती है। कोई आपको लाख सलाह दे, पर जब तक आप स्वयं अपने मन को नकारात्मक सोचने से मना नहीं करेंगे, तब तक कुछ नहीं होगा। सफलता का सफर सकारात्मकता से शुरू हो कर उपलब्धियों पर आकर खत्म होता है और असफलता का तो कोई सफर ही नहीं होता। असफलता खुद-ब खुद आपके द्वार आ जाती है। और यदि आप कुछ करें तो यही असफलता सफलता में तबदील हो सकती है। सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें। अपने को दूसरों से हमेशा बेहतर समझें। आप यह मानकर चलें कि जो काम आप कर सकते हैं, वह कोई दूसरा नहीं कर सकता। आप अपने आप को इस विश्व का अद्वितीय इनसान समझें। यह धारणा आप में आत्मविश्वास पैदा करेगी। ध्यान रहे कि इस दरमियान अपने ऊपर अभिमान को हावी न होने दें। क्योंकि यदि आप के मन में अहंकार घर कर गया तो आप सब कुछ गंवा बैठेंगे।

## न्याय टेबल से लोक अदालत की भावना मजबूत हुई और त्वरित न्याय भी मिला

# उपभोक्ता आयोग के लम्बित एवं प्री-लिटिगेशन के 122 प्रकरणों में 4741884 रुपये के अवार्ड जारी किए गये

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

इस वर्ष की अंतिम एवं चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत रविवार को आयोजित हुई। उपभोक्ता आयोग से सम्बन्धित 122 मामलों का निपटारा न्यायाधीश अजय गोदारा एवं उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील की बैंच ने किया। जिसमें आपसी समझाइश एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना से 4741884 रूपये के अवार्ड जारी किए गये। उल्लेखनीय है कि जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनूं में न्याय टेबल पर पीड़ित उपभोक्ताओं एवं सेवाप्रदाताओं को लोक अदालत की भावना से प्रकरणों का निस्तारण आपसी समझाइश से करने का अवसर अवकाश दिवस में भी उपलब्ध करवाया गया है। जिसके चलते बड़ी संख्या में प्रकरणों का निपटारा सम्भव हो पाया है। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने इस उपलब्धि को उपभोक्ता आयोग के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा टीम भावना से किए गये सद्प्रयास एवं विद्युत विभाग के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार भाम्बू की उपभोक्ताओं को न्याय टेबल पर सकारात्मक रूप से समझाइश करने का सुखद परिणाम बताया है।

### पीड़ित विधुत उपभोक्ता को दिलाई बड़ी राहत

चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायाधीश अजय गोदारा एवं उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश डॉ महेन्द्र कुमार सिंह सोलंकी ने विधुत विभाग के पीड़ित उपभोक्ता को बड़ी राहत देते हुए विधुत अधिनियम की पवित्रता व त्वरित न्याय की खूबसूरती को धरातल पर लागू करने का कड़ा संदेश दिया। जिले के बड़ की ढाणी गुढ़ा गोड़जी के उपभोक्ता सुभाष चंद्र महला के विद्युत कनेक्शन का मीटर खराब होने पर पीड़ित ने विधुत विभाग को सूचना देकर मीटर बदलने के रसीद कटवाई थी। उसके बावजूद भी लम्बे समय तक उपभोक्ता के परिसर में नया विधुत मीटर नहीं लगाया गया और इसी दौरान सतर्कता टीम ने वीसीआर भर दी। जिसके निपटारे के लिए पीड़ित सुभाष चन्द्र महला ने लोक अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिसका विधुत अधिनियम की पवित्रता में हाथों हाथ समाधान करते हुए वैधानिक दायित्व के रूप में मात्र 1088 रूपये की राशि पर प्रकरण का निस्तारण कर लोक अदालत के अवार्ड कि प्रमाणित प्रतिलिपि पीड़ित को सुपुर्द कर त्वरित न्याय दिया गया। इस अवसर पर पीड़ित ने भावुक होते हुए कहा कि आज लोक अदालत में न्याय होने के साथ ही त्वरित न्याय होते हुए देख भी लिया है।

### न्याय टेबल से लोक अदालत की भावना मजबूत हुई और त्वरित न्याय भी मिला

राष्ट्रीय लोक अदालत में विद्युत उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय देने के लिए उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील के नवाचार न्याय टेबल पर अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार भाम्बू, विधि अधिकारी डॉ प्रज्ञ कुल्हार, सहायक अभियंता अनिल कालेर,महेश कुमार सैनी,विजय बोला, अधिवक्ता होशियार सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी इकबाल अली, सतवीर, विक्रम यादव और उपभोक्ता आयोग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी भीम सिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ सहायक चन्दन सैनी,कनिष्ठ सहायक महावीर मीणा, एजाज नबी, अमित शर्मा, मोहम्मद आदिल फारुकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय लोक अदालत में आने वाले पीड़ित उपभोक्ताओं ने कहा कि न्याय टेबल पर लोक अदालत की भावना मजबूत होने के साथ-साथ पीड़ित उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय भी मिला और मुकदमेबाजी से भी हमेशा के लिए छुटकारा मिला है।

# रन फॉर विकसित राजस्थान' व साइकिल दौड़ का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में रविवार को ' रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन जिला मुख्यालय के स्वर्ण जयंती स्टेडियम से शहीद स्मारक पार्क होते हुए वापस स्टेडियम तक किया गया तथा इसी प्रकार पर्यावरण बचाओ साइकिल चलाओ व साइकिल चलाओ सेहत बनाओ साइकिल दौड़ का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, हर्षिनी कुलहरी तथा पार्षद अजय चाहर थे। इस दौरान विधायक राजेंद्र भांबू द्वारा सड़क सुरक्षा तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। अतिथियों द्वारा रन फार विकसित राजस्थान दौड़ व साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस अवसर पर विधायक राजेंद्र भाम्बू ने कहा कि भजनलाल सरकार के सुशासन पखवाड़े के तहत जिलेभर में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' के साथ-साथ 'साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ' यात्रा को भी रवाना किया गया है, जिसका उद्देश्य आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। विधायक भाम्बू ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज से ही विकसित प्रदेश का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जब देश और प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ रहेगा, तभी राजस्थान को विकसित राज्यों की श्रेणी में आगे ले जाया जा सकेगा। आयोजन के माध्यम से खेल, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस दौरान उपनिदेशक कृषि राजेंद्र सिंह लांबा, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला, सरवन नील, झुंझुनू नेहरू युवा केंद्र के सुरेश कुमार सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक शिक्षा हरिराम महण, परिवहन विभाग के रोहिताश्व, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल ढाका, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दामोदर जांगिड़, सुरेंद्र आबूसरिया, प्रशिक्षक आजाद सिंह, मालीराम ओला, विकास कुमार बुडानिया, मुखराम डांगी, विजेंद्र सिंह राव, लव कुमार जोशी, राजबाला, योगेश यादव, सोमेश कुमार, सुरेंद्र, राजेंद्र गुर्जर, भागीरथ, राजेंद्र गोदारा आदि उपस्थित रहे।

# अरावली पर संकट: नीमराना में गठित हुई 'अरावली बचाओ संघर्ष समिति'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

**रमेशचंद्र ।** नीमराना, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा स्वीकार किए जाने के बाद क्षेत्र में पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक नागरिकों में गहरी चिंता और आक्रोश देखने को मिल रहा है। नई परिभाषा के अनुसार 100 मीटर से कम ऊंचाई की पहाड़ियों को अरावली का हिस्सा न मानने के निर्णय को लेकर लोगों का कहना है कि इससे अवैध खनन को बढ़ावा मिल सकता है, जो अरावली के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा साबित होगा। इसी फैसले के विरोध और अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर रविवार को नीमराना क्षेत्र में अरावली पहाड़ियों के बीच स्थित ज्ञानीनाथ आश्रम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 'अरावली बचाओ संघर्ष समिति' के गठन की घोषणा की गई। समिति का उद्देश्य अरावली संरक्षण को लेकर जनजागरण फैलाना, गांव - गांव

जाकर लोगों को इसके महत्व से अवगत कराना तथा एक सशक्त जनआंदोलन खड़ा करना है। बैठक में यह भी तय किया गया कि समिति प्रशासन और सरकार तक अपनी बात मजबूती से पहुंचाएगी तथा अरावली को होने वाले संभावित नुकसान के खिलाफ संगठित संघर्ष किया जाएगा। इस दौरान भूपेंद्र सिंह चौहान, पूर्व जिला पार्षद जनक सिंह यादव, कर्मपाल सिंह चौहान, संजय यादव, महावीर चरखिया, चित्तर सिंह चौहान, सत्येंद्र यादव, रविंद्र यादव, दीपक पटेल, सुनील सैन सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ियों का समूह नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के जलस्तर, पर्यावरण संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। यदि इसे कमजोर किया गया तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम पूरे क्षेत्र को भुगतने पड़ेंगे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अरावली को बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

# सुशासन पखवाड़ा: विकास रथ यात्रा के साथ जनसुनवाई, लोकार्पण व शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

सुशासन पखवाड़ा के अंतर्गत 'नव उत्थान, नई पहचान - बढ़ता राजस्थान, हमारा राजस्थान' अभियान के तहत रविवार को विकास रथ यात्रा के साथ झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकप्रिय विधायक राजेन्द्र भांबू ने ग्राम पंचायत गोवला, भुकाना एवं सारी में आमजन की समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

जनसुनवाई के दौरान विधायक भांबू ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य

सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। सुशासन पखवाड़ा इसी लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक सशक्त पहल है। कार्यक्रम में पंकज गुप्ता, रतन सिंह तंवर, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, विशम्भर पूनिया, मुकेश पातुसरी, बाबूलाल माहिच, राजकुमार जांगिड़ सहित कार्यकर्ता , जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विकास रथ यात्रा एवं आयोजित कार्यक्रमों से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। साथ ही आमजन में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति विश्वास और उत्साह देखने को मिला।

# श्री श्याम धर्मशाला मंडा में जरूरतमंद लोगों को गर्म कंबल वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

श्री श्याम धर्मशाला मंडा में जरूरतमंद एवं गरीब लोगों को कंबल वितरण किए गए। श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री राजराजेश्वरानंद गिरि महाराज पंचचाम जूना अखाड़ा बद्रीश्रम हिमालय क्षेत्र के पावन सानिध्य में शुरू हुए कंबल वितरण कार्यक्रम में 150 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चांदमल बिंडल रहे, इस दौरान आए हुए अतिथियों का श्री श्याम भक्त मंडल की ओर से श्याम दुपट्टा देकर शानदार सम्मान किया गया। महाराज श्री ने कवि की दो पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए कहां की जननी जणे तो भक्त जण के दाता के सूर... भामाशाह द्वारा किया गया यह पुनीत कार्य कलयुग में सराहनीय है, इस दौरान इन्होंने संचालित श्री श्याम गौशाला का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। कहा की गौ माता की सेवा करने से शरीर की संपूर्ण बीमारियां दूर होती है साथ ही अगर गौ माता को भोग लग जाता है, तो संपूर्ण देवी देवताओं को स्वतः ही भोग लग जाता है। कंबल वितरण कार्यक्रम के साथ ही पौष बड़ा महोत्सव का भी विधिवत रूप से आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंद लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर अध्यक्ष सीताराम गोयल, मंत्री शंभूदयाल मोदी, बृजमोहन मित्तल, अशोक खेतान, अशोक बजाज, राजू मोदी, विजय खिरोड़ वाले, अशोक मोदी, गोपाल मोदी, नटवर कुमावत, जितेंद्र सैनी, सज्जन, बनवारी लाल, सुरजाराम बाजडोलिया, शंकर लाल देवंदा सहित ग्रामीण जन नागरिक व महिला पुरुष मौजूद थे।

# नीमराना में अपराधियों पर पुलिस की सख्त नजर, डीएसपी चारुल गुप्ता के नेतृत्व में अनंतराज सोसायटी में सघन चेकिंग अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

**रमेशचंद्र ।** क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार सुबह नीमराना डीएसपी चारुल गुप्ता के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह संयुक्त कार्रवाई नीमराना थाना पुलिस एवं शाहजहांपुर थाना पुलिस द्वारा जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र स्थित अनंतराज सोसायटी में की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए कुल 19 संदिग्ध व्यक्तियों को डिटेन कर उनसे गहन पूछताछ की तथा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। डीएसपी चारुल गुप्ता ने बताया कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य बाहरी बदमाशों को क्षेत्र में पनपने से रोकना, अपराधियों में पुलिस का भय कायम रखना तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के सघन चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। इस संयुक्त पुलिस कार्रवाई में नीमराना सीआई राजेश कुमार मीणा, शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता, जापानी जोन चौकी इंचार्ज

मनोहर लाल मीणा, घीलौट चौकी प्रभारी अमित शर्मा, हेड कांस्टेबल जगदेव यादव, राकेश यादव, कांस्टेबल अनिल कुमार, विजय सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश गया है और लोगों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में पुलिस की इस पहल की सराहना की है।

# सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 5 नए ट्यूबवेल बनेंगे, 86.24 लाख रुपए की स्वीकृति जारी- विधायक श्रवण कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत क्षेत्र में 5 नए ट्यूबवेलों के निर्माण एवं कमीशनिंग के लिए ?86.24 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना के अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह स्वीकृति श्रवण कुमार, विधायक सूरजगढ़ के निरंतर प्रयासों से प्राप्त हुई है। विधायक द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे गए थे, जिन्हें अब मंजूरी प्रदान की गई है।

### स्वीकृत ट्यूबवेल योजनाओं का विवरण-

**ग्राम ढाणा (सिंघाना)** - रू16.72 लाख
**ग्राम सावलोद (सिंघाना)** - रू17.92 लाख
**चांदगी राम की ढाणी, ग्राम खानपुर (सिंघाना)** - रू16.50 लाख
**ग्राम भोपालपुरा, ग्राम पंचायत भीर्र, तहसील बुहाना** - रू17.55 लाख
**हरिजन बस्ती, ग्राम शाहपुर (सिंघाना)** - रू17.55 लाख

इन सभी योजनाओं पर कुल रू86.24 लाख की लागत आएगी। संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तकनीकी व्यवहार्यता एवं विभागीय मानकों के अनुसार प्रस्तावों की जांच कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि कार्य जल्द प्रारंभ हो सके। इन ट्यूबवेलों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को स्थायी पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी और जल संकट से बड़ी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने विधायक श्रवण कुमार के इस जनहितकारी प्रयास का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है। इसके साथ ही काजला की धानक बस्ती एवं डांगर की धानक बस्ती में भी नए ट्यूबवेल निर्माण के प्रस्ताव भेजे गए हैं, जिन पर स्वीकृति की प्रक्रिया प्रगति पर है। ग्रामीण पेयजल सुरक्षा की दिशा में यह पहल क्षेत्र के विकास और जनसुविधा को नई मजबूती देगी।

# सहयोग एक पहल संस्थान सिंघाना का 5वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

सामाजिक सरोकार एवं जनकल्याण कार्यो में अग्रणी संस्था सहयोग एक पहल संस्थान सिंघाना का पाँचवाँ वार्षिकोत्सव संस्था कार्यालय सत्या ग्राफिक्स परिसर में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् बनवारी लाल सैनी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पवन अग्रवाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद् चंद्र प्रकाश शर्मा, राजेश राणा एवं सरपंच बिल्लू सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन पार्षद हर्मेन्द्र चनानिया (खेतड़ी) द्वारा किया गया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सियाराम शर्मा ने संस्थान की आय-व्यय का विस्तृत एवं पारदर्शी ब्यौरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। संस्थान अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने वर्ष 2025 में संस्थान द्वारा किए गए सेवा एवं जनहितकारी कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा की। सर्वसम्मति से लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय में जरूरतमंद बेटियों के विवाह में नगद राशि के स्थान पर उपयोगी घरेलू सामान भेंट किया जाएगा। खैनी, गुटखा, तंबाकू आदि नशे की प्रवृत्तियों को छुड़वाने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता से पूर्व संस्था द्वारा भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया जाएगा, ताकि सहायता वास्तविक जरूरतमंद तक

### वक्ताओं ने रखे विचार

कार्यक्रम में शिक्षाविद् चंद्र प्रकाश शर्मा, राजेश राणा, बनवारी लाल सैनी, सरपंच बिल्लू सैनी, पवन अग्रवाल, अध्यक्ष डी.पी. सैनी, महासचिव अजीत जांगिड़, कोषाध्यक्ष सियाराम शर्मा, संगठन महामंत्री इक़बाल खान, सचिव रफीक़ खान, संरक्षक विक्रम सैनी, संस्थापक सदस्य ईश्वर सिंह, प्रिंस पटवारी, विजेंद्र सैनी (अध्यापक), शीशराम राजोरा सहित अन्य वक्ताओं ने सामाजिक सरोकारों पर अपने विचार व्यक्त किए।

पहुँचे। नेकी की दीवार का संचालन किया जाएगा।

### उपस्थित गणमान्य

संस्थान के पाँचवें वार्षिकोत्सव में अध्यक्ष डी.पी. सैनी, महासचिव अजीत जांगिड़, कोषाध्यक्ष सियाराम शर्मा, संगठन महामंत्री इक़बाल खान, सचिव रफीक़ खान, संरक्षक विक्रम सैनी, उपाध्यक्ष शीशराम ठेकेदार,संस्थापक सदस्य ईश्वर सिंह, प्रिंस पटवारी, प्रवक्ता पवन कुमार अग्रवाल, प्रचार मंत्री राजू गराटी, सोशल मीडिया प्रभारी रणजीत सैनी, सह-सचिव सुमेर सिंह राठी, सचिव वेदप्रकाश, बुद्धराम गुर्जरवास, कपिल कुमार, विक्रम सैनी (अध्यापक), बिल्लू सैनी सरपंच, चंद्र प्रकाश शर्मा, राजेश राणा, नरेश कुमार डीलर, रामप्रसाद ईमित्र, मुकेश शर्मा, विकास कुमार, मैक्स नायक, अनुज कुमार, विजेंद्र कुमार ईमित्र, हवा सिंह, मुकेश मीणा, वेद प्रकाश, नवीन प्रजापत, राहुल सैनी, हिमांशु सैनी, विवेक, सोनू पंडित, विशाल गुर्जर भोदन, शीशराम राजोरा, नरेंद्र कुमार, भूपेंद्र सैनी, महेश कुमार एम के फर्नीचर, अनिल कुमार, सचिन कुमार, विक्रम लालवानी, राहुल, आकाश सुनील कुमार,ओम प्रकाश ,रवि कुमार कोठाणिया, अमित गराटी हृरद्द, पार्षद लक्ष्मीकांत, विकास सोनी, लोकेश सैनी, राजवीर सिंह, विजेंद्र सैनी, रामनिवास हलवाई, रवि चंद सैनी आदि सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामाजिक एकता, सेवा और सहयोग के संकल्प के साथ किया गया।

# कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी जनमानस की चाहत होते हैं, सकारात्मक सोच से सबके वैध कार्य समय पर निबटाएं:-एडीएम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

## इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी अजीतगढ़ ने स्थानांतरित व नवागंतुक अधिकारियों का किया अभिनंदन

शनिवार को अजीतगढ़ शहर की होटल नारायण पैलेस में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला एवं स्थानांतरित व नवागंतुक अधिकारियों सम्मान समारोह आयोजित किया गया। तहसील प्रभारी कपिल मीणा ने बताया कि नीमकाथाना के निवर्तमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारी लाल शर्मा, श्रीमाधोपुर के निवर्तमान तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा को स्थानांतरित होने पर विदाई दी गई तथा नवागंतुक नीमकाथाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश मीणा एवं अजीतगढ़ पुलिस उपाधीक्षक प्रेम बहादुर निर्भय का सम्मान किया गया है। समारोह के मुख्य अतिथि नीमकाथाना अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी जनमानस की चाहत होते हैं, सकारात्मक सोच से सबके वैध कार्य समय पर निबटाएं। निवर्तमान एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने कहा कि अधिकारी को जनता से हर दिन कुछ नया सीख कर अपना सर्वश्रेष्ठ देते रहना चाहिए।

नीमकाथाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश मीणा ने कहा कि पूर्वोत्तर समकक्ष अधिकारियों की कार्यशैली से जनहित में कानून व्यवस्था बेहतर देना ही मेरा उद्देश्य होगा। निवर्तमान तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा ने कहा कि अधिकारी को कार्यालय एवं फील्ड में जनता को धैर्य से सुनना चाहिए और लीगल काम को समय पर

करना चाहिए। सोसायटी के जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार लाटा ने कहा कि हम पीड़ित मानवता की सेवार्थ दृढ़ संकल्पित हैं अजीतगढ़ टीम बेहतरीन कार्य कर रही है। जिला सदस्य दिनेश गोविंद शर्मा ने मंचस्थ अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्यों का आभार व्यक्त करते हुए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला मे कहा कि बचाकर चलने के बजाय स्वयं बचकर चलना ही सबकी सुरक्षा का द्योतक है। पुलिस उपाधीक्षक अजीतगढ़ प्रेम बहादुर निर्भय ने कहा कि हमें नियमों की पालना कर दूसरों को प्रेरित करना चाहिए। इस मौके पर दुपहियां वाहन चालको हैलमेट वितरण करके रिफ्लेक्टर भी लगाये गये। समारोह मे उपसंरक्षक सदस्य विजय यादव, मोहम्मद शरीफ गौरी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर थानाधिकारी विजय सिंह,शाहपुरा आरटीओ बाबुलाल मीणा,पी.के.सिंह,अनिल कुमार, देवेन्द्र परमार,राजेश शर्मा, विनोद शर्मा, महेश दीवान,रामनिवास मीणा,सीए नितिन जोशी,गोपाल मीणा,रामजीलाल, एडवोकेट शंकर लाल यादव,मनमोहन मीणा,डॉ.कमलेश कांवर,विनोद लुणाका, धर्मा सैंन,सुरेंद्र मीणा,शंकर लाल सहित अनेक गणमान्य व अधिकारी मौजूद थे।

# उदयपुरवाटी में मनाया विश्व ध्यान दिवस

## मन की शांति और आत्मिक शक्ति का साधन मेडिटेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

**सुमेर मीणा** । कस्बे के घूमचक्कर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय प्रभारी ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने विस्तार से ध्यान की विधि एवं लाभ पर प्रकाश डालते हुए मेडिटेशन अनुभूति करवाई। उन्होंने कहा आज के तनावपूर्ण जीवन में मन की शांति और सकारात्मक सोच के लिए मेडिटेशन अति आवश्यक है। मेडिटेशन हमारे मन की सफ़ाई का साधन है। मेडिटेशन मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, शांत और स्थिर बनाता है तथा जीवन में सकारात्मक शक्ति का संचार करता है। मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से मन की गंदगी अर्थात नकारात्मक विचार और नकारात्मक आदतें धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं। इससे व्यक्ति का मन शक्तिशाली बनता है और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता बढ़ती है। मेडिटेशन से प्राप्त होने वाला पवित्रता रूपी प्रकाश जीवन में आने वाले भय और अशांति को दूर करता है। मेडिटेशन हमें नकारात्मक सोच, आलस्य और कमजोरी से दूर रहना सिखाता है। इसके अभ्यास से जीवन में स्वतः ही सकारात्मकता, धैर्य और संतुलन आने लगता है। सच्चा मेडिटेशन मन और बुद्धि के बीच सेतु का कार्य करता है, जिससे व्यक्ति अपने विचारों पर सही नियंत्रण और उनका सही दिशा में उपयोग करना सीखता हैं । जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन आवश्यक होता है, उसी प्रकार आत्मा के लिए मेडिटेशन अत्यंत आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी संस्था समाज में आत्मिक जागरूकता, शांति और सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रसार के लिए राजयोग मेडिटेशन निशुल्क रूप से सिखाती है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर छिपी शक्ति और शांति का अनुभव कर सके। सर्वोदय कार्यकर्ता बद्री प्रसाद तंवर, एडवोकेट मोतीलाल सैनी, सुनील तंवर, प्रोफेसर धनेंद्र सिंह, नागेश भास्कर ने भी ध्यान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सुरेश अग्रवाल, योगेश शर्मा, शीशराम सैनी, छोटेलाल सैनी, तोलाराम शर्मा, नीतू सिंह, हर्षिता कुमारी, केसर स्वामी, इंद्रा असवाल, सरोज असवाल, नीलम शर्मा, सविता सैनी सहित शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

# भीम आर्मी हिसार जिला संगठन का किया गया विस्तार -प्रदेश सचिव शेखर रंगा

## जिला कार्यकारिणी की हुई घोषणा , बैठक की अध्यक्षता हिसार जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव ने की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

**विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)** । भीम आर्मी हिसार द्वारा रविवार को हिसार स्थित होटल हाइट में एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भीम आर्मी हिसार जिला संगठन का विस्तार किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव ने की। इस अवसर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गईं। संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत रिटायर्ड मैनेजर अशोक रंगा जी को भीम आर्मी जिला हिसार का सीनियर सलाहकार नियुक्त किया गया। डॉ. सुदेश को जिला ग्रामीण अध्यक्ष बनाया गया। एडवोकेट मोनिका निंबल को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. सुधीर सातरोड एवं कृष्ण लाल बेरवाल जी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। एडवोकेट अमन लांबा को जिला महासचिव नियुक्त किया गया। पूर्व हलका अध्यक्ष गोपाल को जिला सचिव तथा रामभगत लांबा को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर भीम आर्मी हरियाणा प्रदेश सचिव शेखर रंगा, जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव, जिला सचिव संदीप माहला, गुरु चंद्रेश स्वामी, माननीय रिछपाल, सुरेश छाछिया, रोडवेज प्रधान निंबल, राजेश बांगड़, जॉनी जालवान, विजय वाल्मीकि सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव शेखर रंगा ने कहा कि जल्द ही संविधान यात्रा हिसार में भी निकाली जाएगी। उन्होंने भीम आर्मी समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान यात्रा को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करें, ताकि यह यात्रा और अधिक व्यापक एवं प्रभावी रूप से आगे बढ़ सकें।

# चौमूं बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सदस्य सेन का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करूंगा और बार एसोसिएशन के चुनाव में मुझे संगठन के द्वारा बतोर सदस्य के रूप में चुना गया है, उसकी जिम्मेदारी बखूबी निभाऊंगा। यह बात दी बार एसोसिएशन चौमूं के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में सदस्य के रूप में नव निर्वाचित हुए कुक्कू सेन का शहर के होली दरवाजा बाहर स्थित राजा कॉलोनी में रविवार को उनका कॉलोनीवासियों द्वारा माला एवं चुनरी का साफा पहनाकर सम्मान किया। सेवानिवृत्त लाइनमैन राजूलाल माली, रामदयाल नायक, सीताराम नायक, रतनलाल पापटवान, नीलकमल सैनी, वरिष्ठ अध्यापक डॉ. अरुण शर्मा, अरविंद भातरा, सतीश पापटवान, सुभाष हाटवाल, रवि सैनी, हेमेश सैनी, आर्यन देव सैनी ने नवनिर्वाचित सदस्य सेन का स्वागत किया।

## डॉ. आस्था महरिया विद्या वाचस्पति की उपाधि से विभूषित

# मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के 33 वें दीक्षांत समारोह में मिली उपाधि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सिंगोदडा ग्राम निवासी आस्था महरिया को मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा 33 वें दीक्षांत समारोह में उनके द्वारा इतिहास विषय

में किए गये शोध कार्य के लिए विद्या वाचस्पति की उपाधि से विभूषित किया गया है । दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे , विशिष्ट अतिथि गुलाब चन्द कटारिया राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश , डॉ. प्रेमचंद बैरवा उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार एवं प्रो. मंजू बाघमार महिला अधिकारिता उपस्थित रहे । इस अवसर पर शोध निर्देशिका एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रतिभा , कुलगुरू प्रोफ़ेसर भगवती प्रसाद सहित अन्य विभागीय प्रोफेसर , अधिकारी , कर्मचारी, शोधार्थी और दीक्षार्थी उपस्थित रहे ।उल्लेखनीय है कि आस्था महरिया ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय , उदयपुर के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रतिभा के निर्देशन में ' शेखावाटी क्षेत्र में विरासतीय पर्यटन : परिप्रेक्ष्य एवं संभावनाएं ' विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया था । इस शोध ग्रंथ में उनके द्वारा शेखावाटी क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक , सांस्कृतिक, पारिस्थितिकीय, विरासतीय स्थलों का विशद् अध्ययन किया है जिसमें मुख्य रूप से ऐतिहासिक सभ्यता स्थल , ऐतिहासिक किले एवं महल स्थापत्य , हवेली स्थापत्य, ऐतिहासिक कुएं तथा बावड़ियों साथ ही ऐतिहासिक आश्रमों आदि का विस्तृत अध्ययन किया है । महरिया ने अपने शोध प्रबंध में शेखावाटी क्षेत्र की विरासत परंपरा के उद्भव और विकास क्रम की व्याख्या करते हुए विरासतीय पर्यटन से तात्पर्य, शेखावाटी क्षेत्र की विरासतीय परंपरा एवं उसका उद्भव का अध्ययन करने के साथ ही शेखावाटी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासतीय स्थलों का संरक्षण , संवर्धन और विकास के नीतिगत उपायों तथा विरासत स्थलों का विधिक संरक्षण जैसे मूल विषय पर अध्ययन किया है।

# भीम आर्मी लीगल विंग की फरीदाबाद व नूंह तावडू जिला के पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति -प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फरीदाबाद।

**विजय रंगा ( ब्यूरो चीफ)** । भीम आर्मी आजाद समाज *पार्टी लीगल सेल के द्वारा लीगल सेल में नियुक्तियां जिला नुहू तावडू जिला अध्यक्ष आदरणीय एडवोकेट कुलदीप गौतम जी को बनाया गया एवं जिला फरीदाबाद में जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनीता जी को बनाया गया जिला अध्यक्ष एडवोकेट कुलदीप जिला नूहू एवं सुनीता जी को बहुत-बहुत मंगल कामनाएं शुभकामनाएं और भाई चंद्रशेखर आजाद जी भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे इन्हीं शुभकामनाओं के साथ आपको पदभार संभालने पर बहुत-बहुत बधाई दी गई। नियुक्तियों के बाद में प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार ने कहा कि हरियाणा में अन्य जिलों में भी 31दिसम्बर से पहले सभी जिलों की कार्यकारिणीयों की नियुक्तियां कर दी जाएगी। हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट चौधरी विजय कृष्ण रंगा ने भी बताया कि हरियाणा भर के सभी जिलों की कार्यकारिणीयों की घोषणा राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट मोहन श्याम आर्य, सुप्रीम कोर्ट व हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार से सलाह कर 31दिसम्बर तक कर दी जाएगी।

# अखिल भारतीय बलौदा सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन जैतपुर में संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

कला, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, रोजगार सृजन तथा गौरवशाली बलौदा वंश के इतिहास को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित अखिल भारतीय बलौदा सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन रविवार, 21 दिसम्बर 2025 को दादा साद्य आश्रम, जैतपुर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन में राजस्थान व हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में बलौदा गौत्र के लोग उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता कर्नल सुरजभान बलौदा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सचिव हरियाणा के फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक बलवान सिंह बलौदा दौलतपुरिया रहे। उन्होंने समाज की एकजुटता, शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि बलौदा वंश का इतिहास गौरवशाली रहा है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना समय की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथियों में खादू श्याम जी नगरपालिका के उपाध्यक्ष व पार्षद शंकरराम बलौदा, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी रणधीर बलौदा (सारंगपुर) तथा युवा जोश के उपाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुमित बलौदा शामिल रहे। इस अवसर पर संगठनात्मक मजबूती के लिए समिति का विस्तार भी किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज बलौदा ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में जैतपुर सहित राजस्थान एवं हरियाणा के विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में बलौदा गौत्र के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार, सांस्कृतिक संरक्षण तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। सम्मेलन के अंत में समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया तथा भविष्य में नियमित रूप से ऐसे आयोजनों के माध्यम से बलौदा समाज की पहचान और विरासत को सशक्त बनाने पर सहमति बनी।

# खेतड़ी में निशुल्क आयुर्वेदिक शिविर आयोजित:300 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का लाभ उठाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी नगर में एसबीआई बैंक के पास रविवार को एक निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के लगभग 300 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और निशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। समाजसेवी मनोज घुमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पार्षद हरमेंद्र चनानिया, सुरेंद्र फौजी, बाबूलाल सैनी और पार्षद गोकुल शामिल थे। मुख्य अतिथि मनोज घुमरिया ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न अंग है, जो बिना किसी दुष्प्रभाव के रोगों के मूल कारण का उपचार करता है। उन्होंने आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा को अत्यंत आवश्यक बताया। घुमरिया ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए मदद फाउंडेशन के कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन खेतड़ी उपखंड में निशुल्क कोचिंग, जरूरतमंद बेटियों के विवाह, पेयजल के लिए बोरवेल और गौशाला संचालन सहित विभिन्न सामाजिक कार्य निरंतर कर रहा है।

शिविर में जयपुर से आए डॉ. रामहरी मीणा के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम ने अपनी सेवाएं दीं। इस टीम में अग्निकर्म विशेषज्ञ डॉ. मुकेश साहू, डॉ. पवन कुमार यादव, डॉ. अनीता यादव, डॉ. दिपेश कुमार मीणा और प्रशांत शामिल थे। टीम ने जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, गैस, बदहजमी, सिरदर्द, पाइल्स, बवासीर, पथरी और चर्म रोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की। शिविर के दौरान कुल 300 मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इस शिविर को सफल बनाने में बलबीर छापोला, सुशील मीणा और अन्य कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# पालीराम-बृजलाल विद्यालय: सौ वर्षों से शिक्षा की दीपशिखा प्रज्वलित करती शेखावाटी की गौरवगाथा

भीम प्रज्ञा सूरजगढ़ विशेष रिपोर्ट।

शेखावाटी क्षेत्र देशभर में अपनी समृद्ध शैक्षणिक परंपरा, समाजसेवी भामाशाहों और दूरदर्शी सोच के लिए जाना जाता है। यहां के सेठ-धनिकों ने शिक्षा को सामाजिक उत्थान का सबसे सशक्त माध्यम मानते हुए अपने संसाधनों का उपयोग जनकल्याण में किया। इसी परंपरा की जीवंत मिसाल है सूरजगढ़ स्थित पालीराम-बृजलाल उच्च माध्यमिक विद्यालय, जो पिछले एक सौ वर्षों से शिक्षा का प्रकाश फैलाते हुए हजारों विद्यार्थियों के जीवन को दिशा दे रहा है।

### 1925 में रखी गई शिक्षा की मजबूत नींव

वर्ष 1925 में सूरजगढ़ के भामाशाह पालीराम द्वारा इस विद्यालय की स्थापना की गई। उस समय सूरजगढ़ और आसपास के क्षेत्र में उच्च शिक्षा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी। लोगों ने पिलानी के बिरला परिवार से विद्यालय खोलने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए विनम्रता से मना कर दिया कि जहां पालीराम जैसे दानवीर रहते हों, वहां विद्यालय खोलना उचित नहीं होगा। यह बात जब पालीराम तक पहुंची तो उन्होंने सूरजगढ़ को अपना घर मानते हुए स्वयं विद्यालय निर्माण का संकल्प लिया और संस्था का नाम पालीराम-बृजलाल हाई स्कूल रखा। यही निर्णय आगे चलकर शेखावाटी की शैक्षणिक पहचान का आधार बना।

### पालीराम परिवार की पीढ़ीगत साधना

स्थापना के बाद विद्यालय के विकास की जिम्मेदारी पालीराम परिवार ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी निभाई। फतेहचंद ने इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य मानते हुए विद्यालय के विस्तार में निरंतर योगदान दिया। इसके पश्चात पुरुषोत्तम दास और किशोरीलाल ने भी संस्था की उन्नति के लिए अपना समय और संसाधन समर्पित किए। इस निरंतर पारिवारिक योगदान ने विद्यालय को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

### झुंझुनूंवाला परिवार का संरक्षण

विद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक विकास में झुंझुनूंवाला परिवार की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। निर्मल झुंझुनूंवाला नियमित रूप से विद्यालय का निरीक्षण कर समस्याओं के समाधान में सक्रिय रहे। जून 2025 में उनके निधन के बाद रवि झुंझुनूंवाला ट्रस्टी के रूप में संस्था को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, जबकि निरंजन झुंझुनूंवाला निरंतर सहयोग और दिशा-निर्देशन से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ कर रहे हैं।

### दो दशकों से सशक्त आधार : सेवाराम गुप्ता

विद्यालय के दीर्घ इतिहास में शिक्षा समिति के सचिव सेवाराम गुप्ता का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। पिछले बीस वर्षों से अधिक समय से वे संस्था के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत बनाए हुए हैं और विद्यालय के विकास में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

### नॉलेज अकैडमी का नेतृत्व और शैक्षणिक उपलब्धियां

पिछले पांच वर्षों से विद्यालय का संपूर्ण प्रबंधन नॉलेज अकैडमी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। प्रबंधक संदीप काद्यान और रमेश शर्मा के मार्गदर्शन में विद्यालय ने शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं।

**प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में –** सत्र 2021-22 में वाणिज्य संकाय में राज्य स्तरीय प्रथम मेरिट प्राप्त हुई। सत्र 2024-25 में विज्ञान संकाय में संपूर्ण शेखावाटी में प्रथम स्थान हासिल किया गया। इन उपलब्धियों के कारण विद्यालय लगातार सूरजगढ़ कस्बे में सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाली संस्थाओं में अग्रणी बना हुआ है।

### समिति का मार्गदर्शन और आधुनिक विकास

विद्यालय के आधुनिकीकरण और सुविधाओं के विस्तार में शिक्षा समिति अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद शर्मा तथा कोषाध्यक्ष सुरेश शाह द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। उनके प्रयासों से विद्यालय शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ रहा है।

### एक सदी की साधना, हजारों जीवनों का निर्माण

एक छोटे कस्बे से शुरू हुई यह शैक्षणिक यात्रा आज हजारों विद्यार्थियों के जीवन की मजबूत नींव बन चुकी है। पालीराम परिवार की तपस्या, झुंझुनूंवाला परिवार का संरक्षण, शिक्षा समिति का सुचारु प्रबंधन और शिक्षकों की प्रतिबद्धता–इन सभी के संयुक्त प्रयासों से यह विद्यालय सूरजगढ़ ही नहीं, संपूर्ण शेखावाटी क्षेत्र का गौरव बन चुका है।

### शताब्दी वर्ष पर शिक्षा के पुरोधाओं को नमन

शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर उन सभी समाज सुधारकों और भामाशाहों को श्रद्धांजलि दी जा रही है, जिन्होंने आजादी से पूर्व अपनी मेहनत की कमाई शिक्षा के रूप में समाज को समर्पित की। पालीराम-बृजलाल विद्यालय सौ वर्षों से शिक्षा का दीप जलाता आ रहा है और आने वाले वर्षों में भी यह परंपरा नई पीढ़ियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाती रहेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में आम चुनाव कानून में संशोधन, जारी हुआ अध्यादेश

**काठमांडू, एजेंसी।** पाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को आम चुनाव से जुड़े प्रावधानों में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी किया। यह अध्यादेश प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर लाया गया है। इससे पहले 12 सितंबर को राष्ट्रपति पौडेल ने प्रतिनिधि सभा चुनाव की तारीख 5 मार्च 2026 घोषित की थी। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधि सभा चुनाव (पहला संशोधन) अध्यादेश का उद्देश्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत सीटों के आवंटन को वर्ष 2021 की नवीनतम जनगणना के आधार पर तय करना है। 2021 की जनगणना के मुताबिक, नेपाल की कुल जनसंख्या 2 करोड़ 91 लाख 64 हजार 578 है।

### पलमायरा में हुए हमले को आईएस ने बताया गंभीर चोट

**पलमायरा, एजेंसी।** इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अपने टेलीग्राम चैनल पर सीरिया के प्राचीन शहर पलमायरा में अमेरिकी पेंटागन कर्मियों की मौत को अमेरिका और उसके समर्थित सीरियाई गुटों पर चोट बताया है। बीते शनिवार एक हमलावर ने अमेरिकी और सीरियाई बलों के काफिले को निशाना बनाया था। इसमें दो अमेरिकी सैनिक और एक दुभाषिया मारे गए थे, जबकि तीन सैनिक घायल हुए। हमलावर को मौके पर ही मार दिया गया।

### ब्राजील संसद ने बोलसोनोरो के बेटे एडुआर्डो को पद से हटाया

**ब्राज़िलिया, एजेंसी।** ब्राजील की संसद ने पूर्व राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारो को बड़ा झटका देते हुए उनके बेटे एडुआर्डो बोलसोनारो और पूर्व खुफिया प्रमुख अलेक्जांद्रे रामाजेम को सांसद पद से हटा दिया। हाउस स्पीकर ह्यूगो मोट्टा के जारी आदेश संसद के जर्नल में प्रकाशित किया गया। एडुआर्डो बोलसोनारो फरवरी में टेक्सास जाने के बाद से इस साल 80 फीसदी से अधिक सत्रों में अनुपस्थित रहे, जो सदन के नियमों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है। वह खुद को राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार बताते हुए अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से अपने पिता की सजा बदलवाने की कोशिश करते रहे हैं।

### गाजा में इस्राइली गोलीबारी, बच्चे समेत 5 फलस्तीनी मारे गए ; युद्धविराम पर फिर संकट

**गाजा , एजेंसी।** गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में शुक्रवार को इस्राइली सेना की गोलीबारी में कम से कम पांच फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें एक नवजात बच्चा भी शामिल है। स्थानीय अस्पताल के अनुसार यह घटना गाजा सिटी के पूर्वी इलाके तुफ्फाह में हुई, जहां घायल और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। शिफा अस्पताल के निदेशक रामी महन्ना ने बताया कि गोलीबारी में पांच लोगों की जान चली गई। वहीं इस्राइली सेना का कहना है कि उसके जवानों ने येलो लाइन के पश्चिम में कुछ संदिग्ध लोगों की पहचान की थी, जिसके बाद फायरिंग की गई। सेना ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचने पर उसे खेद है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 70 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें करीब आधे महिलाएं और बच्चे हैं। हालांकि मंत्रालय लड़ाकों और आम नागरिकों में अलग-अलग आंकड़े नहीं देता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय आमतौर पर उसके आंकड़ों को विश्वसनीय मानता है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य-पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ने गाजा युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए मध्य-पूर्वी देशों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की योजना बनाई है। बातचीत का मकसद युद्धविराम के दूसरे और ज्यादा जटिल चरण को आगे बढ़ाना बताया जा रहा है।

### भीख मांगने पर हजारों पाकिस्तानी निर्वासित

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** भीख मांगने के आरोप में हजारों पाकिस्तानियों को विभिन्न देशों से निर्वासित किया गया है, जबकि इस साल हजारों लोगों को हवाई अड्डों पर अवैध यात्रा के संदेह में रोका गया। आगा रफीउल्लाह की अध्यक्षता में ओवरसीज के सत्र में एफआईए महानिदेशक ने प्रवर्तन कार्रवाइयों पर कहा, इस साल सऊदी अरब ने भीख मांगने के आरोप में 24000 लोगों को वापस भेजा।

# सिंगापुर से बांग्लादेश लाया गया उस्मान हादी का शव, अंतिम संस्कार भी बन गया बड़ी चुनौती

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद से ही बांग्लादेश जल रहा है। कानून व्यवस्था की चुनौती के बीच शुक्रवार को उस्मान हादी का शव सिंगापुर से ढाका लागा गया है। शनिवार को ही उस्मान हादी को सुपुर्द-ए-खाक किया जा सकता है। हालांकि बांग्लादेश की सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती है। देश में आक्रोश अभी थमा नहीं है और उपद्रव का आशंका बनी हुई है। युवा नेता शरीफ उस्मान हादी को छह दिन पहले गोली मार दी गयी थी। वह जुलाई में सरकार के विरूद्ध हुए हिंसक प्रदर्शनों में एक प्रमुख चेहरा थे।

पुलिस के अनुसार, हादी का शव सिंगापुर से ढाका पहुंचने के कुछ ही समय बाद, कथित कट्टरपंथी दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने राजधानी में वामपंथी विचारधारा वाली उदिची शिल्पीगोष्ठी के मुख्य कार्यालय में आग लगा दी। दमकल कर्मियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उदिची के कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में पुलिस, बीजीबी और सेना के जवान तैनात हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार रात हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं जिनमें चट्टगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पथराव भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुईं।

**कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया शव :** इंकलाब मंच के प्रवक्ता हादी का शव कड़ी सुरक्षा और व्यापक जन शोक के बीच विमान बांग्लादेश एयरलाइंस की उड़ान से स्थानीय समयानुसार शाम लगभग छह बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) पर लाया गया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बिमान के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) बोशरा इस्लाम के हवाले से दी। एजेंसी के अनुसार, हादी के शव को हवाई अड्डे से बाहर ले जाते समय सुरक्षा बनाए रखने के लिए बांग्लादेश सेना, सशस्त्र बल बटालियन (एएफबी) और पुलिस के सदस्यों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। बीएसएस ने बताया कि सिंगापुर जनरल अस्पताल में हादी की मौत से राजनीतिक हलकों, इंकलाब मंच के कार्यकर्ताओं और आम जनता में व्यापक शोक की लहर दौड़ गई।

युनूस ने शनिवार को एक दिन की राजकीय शोक की घोषणा की है। मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा के अनुसार, हादी की जनाजे की नमाज शनिवार को दोपहर दो बजे संसद के साउथ प्लाजा में अदा की जाएगी। उसमें शामिल होने के इच्छुक लोगों से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ कोई बैग या भारी सामान न लाएं। इंकलाब मंच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''परिवार की इच्छा के अनुसार, हादी को राष्ट्रीय कवि काजी नजरुल इस्लाम

की कब्र के बगल में दफनाने का फैसला लिया गया है। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि शव को सार्वजनिक रूप से देखने की अनुमति नहीं होगी। उसने लोगों से शांति बनाए रखते हुए हादी के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। गुरुवार को युनूस की घोषणा के शीघ्र बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों पर हमला किया, 32 धानमंडी में तोड़-फोड़ की और राजशाही सिटी में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भंग हो चुकी पार्टी आवामी लीग के एक कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया। बांग्लादेश की स्वतंत्रता से पहले, दशकों तक स्वाधीनता के लिए संघर्ष का केंद्र रहे 32 धानमंडी को इस साल पांच फरवरी को बुल्डोजरों से ध्वस्त कर दिया गया था। इससे पहले पांच अगस्त 2024 को उस समय की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद मुजीबुर्रहमान के आवास को आग भी लगा दी गई थी। चट्टगांव में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार देर रात 1:30 बजे पथराव भी किया। हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी एवं लाठीचार्ज किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने सहायक उच्चायुक्त की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। ढाका में, प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सांस्कृतिक समूह 'छाया नाट' के कार्यालय पर हमला किया और फर्नीचर बाहर निकाल कर आग लगा दी। देश के अन्य हिस्सों से भी हिंसा की खबरें हैं। मैमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई। 'बांग्ला ट्रिब्यून' समाचार पोर्टल के अनुसार मृत व्यक्ति की पहचान दीपू चंद्र दास (25) के रूप में हुई, जो मैमनसिंह शहर में एक कारखाने में काम करते थे। अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बयान में कहा गया, 'इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया कि सिंगापुर से विमान के ढाका में उतरने के बाद हादी के समर्थक हवाई अड्डे से शाहबाग तक सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े थे।

उनके पार्थिव शरीर को ढाका विश्वविद्यालय की केंद्रीय मस्जिद में सार्वजनिक सभा के लिए ले जाया जाना था। पिछले सप्ताह ढाका के बिजोयनगर इलाके में अपना चुनाव प्रचार शुरू करते समय हादी को नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। छह दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। गुरुवार रात को, जुलाई विद्रोह का नेतृत्व करने वाले और हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी)' के एक बड़े सहयोगी संगठन, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने ढाका विश्वविद्यालय परिसर में शोक जुलूस में भाग लिया। इस समूह के समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाते हुए आरोप लगाया कि हादी के हमलावर हत्या करने के बाद भारत भाग गए।

### नेपाल : राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने रिहा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सभापति रवि लामिछाने शुक्रवार शाम रुपनदेही जिला अदालत से जमानत पर रिहा हो गए। तुलसीपुर हाईकोर्ट के आदेश पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वह शाम 5:37 बजे अदालत पहुंचे। अदालत के सूचना अधिकारी पदम अर्याल ने बताया, बुटवल पीठ के आदेशानुसार कुछ शर्तों और बैंक जमानत के कागजात जमा करने के बाद उन्हें रिहा किया गया। लामिछाने बुटवल स्थित सुप्रीम सहकारी संस्था से जुड़े ठगी और संगठित अपराध के मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद थे। उन्हें 2.74 करोड़ रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद रिहाई मिली।

### भ्रष्टाचार मामले में पूर्व पीएम इमरान खान और पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराते हुए दोनों को 17-17 साल की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला लंबे समय से चल रहे केस में सुनाया गया है।

# बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत अब स्थिर

**ढाका , एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन खालिदा जिया की स्वास्थ्य स्थिति अब अधिक स्थिर है। उनकी निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी हालत में अब कोई गिरावट नहीं आई है। खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर हॉस्पिटल में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उपचाराधीन हैं और बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। 11 दिसंबर को उन्हें फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

डॉक्टर हुसैन ने कहा कि पिछले महीने में उनकी शारीरिक स्थिति काफी स्थिर रही है। शुक्रवार को उनका एक छोटा चिकित्सीय उपचार भी सफलतापूर्वक

किया गया, जिसे उन्होंने आसानी से स्वीकार कर लिया। उनके बेटे और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तरीक रहमान 25 दिसंबर को लंदन से लौटेंगे, जिससे उनके 17 वर्षों के स्वदेश से निर्वासन का अंत होगा।

# पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला, सुसाइड बॉम्बर ने मिलिट्री पोस्ट को उड़ाया; 4 सैनिक मरे

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके उत्तर वजीरिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ। सुसाइड कार बॉम्बर और तीन बंदूकधारियों ने एक गांव के पास स्थित सैन्य चौकी पर हमला किया, जिसके बाद घंटों चली गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस हमले में कम से कम 15 नागरिक घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना और स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह इलाका खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आता है, जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और अतीत में पाकिस्तानी तालिबान तथा अन्य उग्रवादी संगठनों का गढ़ रहा है। पुलिस ने बताया कि धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के कई मकान ढह गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर चोटें आईं। सेना के बयान में कहा गया कि सभी हमलावरों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। सेना के मुताबिक, हमलावरों ने पहले चौकी की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस विस्फोट से पास के घरों और एक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि किसी भी संगठन ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया है। सेना का दावा है कि इस हमले की योजना अफगान सीमा के उस पार बनाई गई और वहीं से इसे निर्देशित किया गया। इस पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अफगान तालिबान लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि वे किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देते, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के तालिबान शासक अपने क्षेत्र से आतंकियों को पाकिस्तान पर हमले करने से रोकेंगे। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। हमले के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ। मंत्रालय ने इस्लामाबाद में अफगान तालिबान के उप-मिशन प्रमुख को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने अफगान भूमि से संचालित आतंकवादी हमलों के दोषियों और मददगारों के खिलाफ पूर्ण जांच और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। बयान में यह भी कहा गया कि अफगान तालिबान से यह अपेक्षा की गई है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस, तत्काल और सत्यापन योग्य कदम उठाए तथा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए अफगान जमीन के इस्तेमाल को पूरी तरह रोके। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ा है। अक्टूबर में सीमा पर झड़पें हुई थीं, जब काबुल में 9 अक्टूबर को हुए विस्फोटों के लिए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था। बाद में कतर की मध्यस्थता से युद्धविराम तो हुआ, लेकिन नवंबर में तुर्की में हुई बातचीत में दोनों देश किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सके।

# ताइवान में भीड़ पर चाकू से हमला, 4 लोगों की मौत कई घायल

**ताइपे , एजेंसी।** ताइवान की राजधानी ताइपे में शुक्रवार को एक युवक ने भीड़ भरे इलाके में लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हमलावर ने लोगों में डर फैलाने के लिए स्मोक ग्रेनेड भी फेंके। यह हमला ताइपे मेन स्टेशन से शुरू हुआ, जो शहर का सबसे व्यस्त रेलवे और मेट्रो स्टेशन है। शाम के समय जब वहां बहुत भीड़ थी, तभी युवक ने स्टेशन के अंदर स्मोक बम फेंका और फिर पास के झोंगशान इलाके की ओर भाग गया। वहां उसने सड़क और एक शॉपिंग मॉल में लोगों पर चाकू से हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हर तरफ धुआं और अफरा-तफरी मच गई थी। लोग जान बचाकर इधर-उधर भाग रहे थे। पास की दुकानों और रेस्टोरेंट में लोग छिप गए। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि माहौल बहुत डरावना था और

सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने हमलावर का पीछा किया। इसी दौरान वह एक इमारत से गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ताइपे के मेयर ने बताया कि मरने वालों में से एक व्यक्ति ने स्टेशन के अंदर हमलावर को रोकने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक हमलावर 27 साल का था और ताओयुआन इलाके का रहने वाला था। वह पहले वायुसेना में काम कर चुका था, लेकिन 2022 में उसे नौकरी से हटा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि उसके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हमले के पीछे उसका मकसद अभी साफ नहीं हो पाया है।

### अमेरिका का सीरिया में 'ऑपरेशन हॉकआई':70 से ज्यादा आईएसआईएस ठिकाने तबाह किए

**दमिश्क, एजेंसी।** अमेरिका ने शुक्रवार को सीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े 70 ठिकानों पर हवाई हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने सीएनएन को बताया कि यह कार्रवाई हाल ही में हुए उस हमले के जवाब में की गई जिसमें सीरिया में तैनात अमेरिका के दो सैनिक और एक ट्रांसलेटर मारे गए थे। इस मिलिट्री ऑपरेशन को 'ऑपरेशन हॉकआई' नाम दिया गया है। यह नाम इसलिए रखा गया क्योंकि मारे गए सैनिक अमेरिका के आयोवा राज्य से थे, जिसे 'हॉकआई स्टेट' कहा जाता है। अधिकारियों के मुताबिक जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया उनमें आतंकियों के ठहरने की जगह, हथियार रखने के गोदाम और दूसरी जगह शामिल हैं। ट्रम्प ने हमले पर रिएक्शन देते हुए कहा कि उन्होंने अपना वादा पूरा किया।

**अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- ये बदले की कार्रवाई है :** अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इन हमलों को बदले की कार्रवाई बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह किसी नए युद्ध की शुरुआत नहीं है, बल्कि उन लोगों के खिलाफ जवाब है जिन्होंने अमेरिकी सैनिकों को मारा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लीडरशिप में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा से कभी पीछे नहीं हटेगा। यह पूरा मामला 13 दिसंबर को शुरू हुआ, जब सीरिया में एक हमले में अमेरिका के दो सैनिक और उनके साथ काम कर रहा एक लोकल ट्रांसलेटर मारा गया था। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने कई छोटे ऑपरेशन चलाए, जिनमें करीब 23 लोगों को मार गिराया गया या गिरफ्तार किया गया। इन ऑपरेशन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान से अहम जानकारियां मिलीं, जिनके आधार पर अब यह बड़ा हवाई हमला किया गया।

**ट्रम्प बोले- अमेरिका हमलावरों को जवाब दे रहा :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बाद अब अमेरिका आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है। ट्रम्प ने बताया कि इस हफ्ते मारे गए बहादुर सैनिकों के शव पूरे सम्मान के साथ अमेरिका लाए गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करते हुए अमेरिका अब उन आतंकियों को करारा जवाब दे रहा है, जो इस हमले के जिम्मेदार हैं।? अमेरिकी सेना सीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमला कर रही है। ट्रम्प ने कहा कि सीरिया ने लंबे समय से बहुत खून-खराबा और हिंसा देखी है।

# एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा:लड़कियों के साथ हॉट-टब में नहाते दिखे क्लिंटन

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार रात ढाई बजे (भारतीय समय के मुताबिक) तीन लाख दस्तावेज जारी कर दिए हैं। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं। कुछ फोटोज में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। पहले ये सभी तस्वीरें 4 सेट में जारी की गईं। इसके कुछ घंटे बाद 1 और सेट जारी किया गया।

इसमें कुल मिलाकर 3,500 से अधिक फाइलें हैं, जिनमें 2.5 जीबी से ज्यादा तस्वीरें और दस्तावेज शामिल हैं। हालांकि कई तस्वीरों में यह साफ नहीं है कि ये कहां ली गई हैं। इन खुलासों का असर कितना बड़ा होगा, यह अभी साफ नहीं है। वजह यह है कि दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है और एपस्टीन से जुड़ी काफी तस्वीरें पहले भी सामने आ चुकी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह भी कहा है कि कुछ दस्तावेज अभी रोके गए हैं, क्योंकि कुछ जांचें चल रही हैं या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कारण हैं।

जेफ्री एपस्टीन एक फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

**ट्रम्प के आदेश पर जारी हुए दस्तावेज :** जेफ्री एपस्टीन एक यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था। 19 दिसंबर तक 30 दिन की समय सीमा पूरी हो गई।

**एपस्टीन पीड़ित का आरोप- न्याय विभाग खुद को बचा रहा :** जेफ्री एपस्टीन की एक पीड़िता लीसा फिलिप्स ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लीसा फिलिप्स ने बताया कि जब उनकी उम्र 20 के आसपास थी, तब उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। इसके बाद उन्हें एपस्टीन और उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों की ओर से सालों तक शोषण झेलना पड़ा। सीएनएन की पत्रकार कैटलिन कॉलिन्स से बातचीत में लीसा फिलिप्स ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स के कई हिस्सों को काला (रेडैक्ट) करके जारी किया गया है। लीसा के मुताबिक कि न्याय विभाग पीड़ितों के बजाय खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। लीसा ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास इतनी जानकारी है, जिससे सारी कड़ी जोड़ी जा सकती हैं और पीड़ितों को न्याय मिल सकता है। लेकिन जैसा आप देख रहे हैं, मामला बार-बार टाला जा रहा है। एपस्टीन फाइल्स को लेकर अटॉर्नी जनरल पर महाभियोग की तैयारी भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। रो खन्ना ने एपस्टीन फाइल्स से जुड़े उस कानून को तौर पर तैयार किया था, जिसके तहत सभी फाइलें सार्वजनिक की जानी थीं। खन्ना का आरोप है कि न्याय विभाग ने कानून के बावजूद एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइलें जारी नहीं कीं। उन्होंने कहा कि जो दस्तावेज आज जारी किए गए हैं, उनसे वह निराश हैं। पीड़ित बोली- जारी किए गए फाइल्स काफी हैवी, सर्च करना मुश्किल एपस्टीन की शुरुआती पीड़ितों में से एक जेस माइकल्स ने कहा, 'न्याय विभाग फाइल जारी करने में भ्रष्टाचार और देरी से साबित कर रहे हैं कि वो कुछ छुपा रहे हैं।' जेस माइकल्स ने बताया कि 1991 में जब वे 22 साल की थीं और डांसर बनने की ट्रेनिंग ले रही थीं, तब एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था। वे उन पीड़ितों में शामिल थीं जिन्होंने द्विदलीय कानून के लिए लॉबी की थी। इसके तहत न्याय विभाग को एपस्टीन और उसकी मुख्य साथी मैक्सवेल की सेक्स तस्करी जांच की लगभग सभी फाइलें जारी करनी थीं। लेकिन शुक्रवार को जारी 13,000 से ज्यादा फाइलें काफी हैवी है और आसानी से सर्च नहीं की जा सकतीं। एक अन्य पीड़िता मारीजके चार्टोनी ने कहा, 'सब कुछ एडिट कर दिया गया है, तो पारदर्शिता कहां है?' उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र में एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था।

# ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

**एडिलेड (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने पास बरकरार रखी है। मैच के अंतिम दिन छह विकेट पर 207 रनों से आगे खेलते हुए इंग्लैंड टीम अपनी दूसरी पारी में 352 रनों पर ही आउट हो गयी जबकि उसे जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला था। इस प्रकार मेहमान टीम इंग्लैंड को 82 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही इंग्लैंड का सीरीज में बराबरी का सपना भी टूट गया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। बल्लेबाज जैक क्राउली ने सबसे अधिक 85 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज बढ़ी पारी नहीं खेल पाये। जेमी स्मिथ 60 के बाद विल जैक्स ने 47 रन और इसके बाद ब्रायडन कार्स ने 39 रन बनाये पर अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। जेमी स्मिथ एक छोड़ पर जमे हुए थे जिससे मेहमान टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। स्मिथ ने विल जैक्स के साथ मिलकर 91 रन बनाये। इस जोड़ी के टूटने के बाद जैक्स ने ब्रायडन के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों को बनाये रखा। जैक्स 47 रनों पर आउट हो गए। उनके आउट होते ही फिर इंग्लैंड की पारी ढ़ह गयी। जैक्स और ब्रायडन के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई थी।

जैक्स का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग का विकेट लेकर मैच जीत लिया। ब्रायडन 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क के अलावा नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा स्कॉट बोलेंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एलेक्स कैरी और ट्रेविस हेड की अहम भूमिका रही। कैरी ने पहली जबकि हेड ने दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी।

इससे टीम ने पहली पारी में 371 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने 2-2 विकेट लिए वहीं जोश टंग को एक विकेट मिला। वहीं इंग्लैंड की टीम अपनी अपनी पहली पारी में पारी में 286 रन ही बना पाई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को 85 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 349 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य दिया था।

# सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

**हांगझू (एजेंसी)।** भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मेलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

# रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

# पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

**दुबई (एजेंसी)।** पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए । समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

## स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

# ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

# वर्ल्ड टेनिस लीग 2025: सुरेश की धमाकेदार सर्व से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने जीता खिताब

**बैंगलुरु (एजेंसी)।** वर्ल्ड टेनिस लीग 2025 (WTL) ने बैंगलुरु के स्रू कृष्णा स्टेडियम में चार दिनों तक रोमांचक टेनिस का आनंद दिया। फाइनल में भारत के धक्षिणेश्वर सुरेश की शानदार परफॉर्मेंस की मदद से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने AOS ईगल्स को 22-19 से हराकर अपना पहला WTL खिताब अपने नाम किया।

फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स टूर्नामेंट में टेबल के निचले हिस्से में थीं। लेकिन टूर्नामेंट के डायनामिक फॉर्मेट ने उन्हें लय में वापस लाकर फाइनल तक पहुंचाया। दर्शकों से भरे स्टेडियम में क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और केएल राहुल भी मौजूद थे। इस रोमांचक मुकाबले में टीम ने आखिरी क्षण तक शानदार खेल दिखाया।

धक्षिणेश्वर सुरेश ने ग्रुप स्टेज में सुमित नागल से मिली हार का बदला फाइनल में 7-6 के निर्णायक सेट से चुकाया। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, ने डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े खिलाड़ियों को हराकर खुद को भविष्य के स्टार खिलाड़ी के रूप में पेश किया।

फाइनल में मार्टा कोस्त्युक ने पहले मैच में श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर मावेरिक्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि AOS ईगल्स ने मिक्स्ड डबल्स में श्रीवल्ली और गेल मोनफिल्स की मदद से मावेरिक्स को 6-3 से हराकर वापसी की कोशिश की।

लेकिन उनकी वापसी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। निक किर्गियोस और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी ने सुमित नागल और मोनफिल्स को 6-3 से हराकर निर्णायक जीत मावेरिक्स के नाम कर दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए धक्षिणेश्वर को 'मैन ऑफ़ द फाइनल' का खिताब भी मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग, जिसे 'The Greatest Show on Court!' कहा गया है, ने भारतीय दर्शकों को विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का मौका दिया। टूर्नामेंट में AOS ईगल्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स ने भाग लिया। युवा भारतीय खिलाड़ियों जैसे धक्षिणेश्वर सुरेश, श्रिवल्ली, सहजा यमालपल्ली और माया राजेश्वरन ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर पाया।

## हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन । एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

# लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए फायदेमंद होगा या नहीं

**मुम्बई (एजेंसी)।** दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेस्सी का भारत आगमन महज एक भव्य आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए संभावनाओं से भरा अवसर माना जा रहा है। उनकी मौजूदगी से खेल को वैश्विक मंच पर पहचान मिली और युवा खिलाड़ियों में उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह दौरा भारतीय फुटबॉल के भविष्य में कोई ठोस बदलाव ला पाएगा।

### मैच या प्रशिक्षण से बन सकता था दौरा ज्यादा प्रभावी

अगर यह दौरा फुटबॉल के वास्तविक विकास को ध्यान में रखकर होता, तो मेस्सी का भारतीय राष्ट्रीय टीम या किसी स्थानीय क्लब के खिलाफ मुकाबला खेलना ज्यादा सार्थक होता। 1977 में पेले द्वारा मोहन बागान के खिलाफ खेला गया ऐतिहासिक मैच आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, किसी फुटबॉल अकादमी का दौरा, युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना या वंचित बच्चों से मुलाकात इस यात्रा को खेल और समाज-दोनों के लिए उपयोगी बना सकती थी।

### कमजोर दौर से गुजर रहा है भारतीय फुटबॉल

मेस्सी का दौरा ऐसे समय हुआ जब भारतीय फुटबॉल कठिन दौर से गुजर रहा है। नवंबर 2025 की फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम 142वें स्थान पर है। वहीं, इंडियन सुपर लीग (ISL) के भविष्य, ढांचे और स्थिरता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

### खेल से ज्यादा दिखी मार्केटिंग

यह दौरा फुटबॉल से अधिक मार्केटिंग केंद्रित नजर आया। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए यह यात्रा इंटर मियामी के प्रचार और अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह पैदा करने तक सीमित रही। कई ऐसे लोग भी मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने को उत्साहित दिखे, जिनका खेल से सीधा कोई संबंध नहीं था।

### क्रिकेट बैट भेंट करना बना चर्चा का विषय

दौरे के दौरान कुछ अजीब दृश्य भी सामने आए। ICC अध्यक्ष जय शाह द्वारा मेस्सी को भारतीय क्रिकेट टीम के हस्ताक्षर वाला बैट भेंट करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। फुटबॉल से जुड़े इस दौरे में क्रिकेट प्रतीकों की मौजूदगी पर सवाल भी उठे।

### मजबूत फुटबॉल संस्कृति की दरकार

भारत को एक मजबूत फुटबॉल राष्ट्र बनने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए माता-पिता का सहयोग, स्कूलों में बेहतर खेल ढांचा और शिक्षा प्रणाली में खेल को पर्याप्त महत्व देना बेहद जरूरी है।

### आईएसएल की संरचनात्मक चुनौतियां

आईएसएल के शुरुआती दो सत्र सफल जरूर रहे, लेकिन प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम की कमी ने प्रतिस्पर्धा को कमजोर किया। साथ ही विदेशी स्ट्राइकरों पर अधिक निर्भरता के चलते भारतीय फॉरवर्ड्स का विकास प्रभावित हुआ, जिसका असर राष्ट्रीय टीम पर साफ दिखता है।

### खिलाड़ियों की उपलब्धता और 'इंडियन एरोज़' पहल

राष्ट्रीय टीम के लिए एक और बड़ी समस्या यह है कि क्लब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करते। ऐसे में एआईएफएफ की 'इंडियन एरोज़' पहल अहम साबित हुई, जिसने वैकल्पिक प्रतिभाओं का मजबूत पूल तैयार किया।

### भव्य आयोजन, लेकिन सीमित असर

कुल मिलाकर, लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भले ही भव्य, चर्चित और ग्लैमर से भरपूर रहा हो, लेकिन भारतीय फुटबॉल को इससे कोई स्थायी लाभ मिलता नजर नहीं आया। जब तक जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधार और मजबूत खेल संस्कृति विकसित नहीं होती, तब तक ऐसे बड़े दौरे सिर्फ सुर्खियों और उत्साह तक ही सीमित रहेंगे।

## सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई । भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

# कास्टिंग काउच पर छलका बिग बॉस 19 फेम मालती चाहर का दर्द

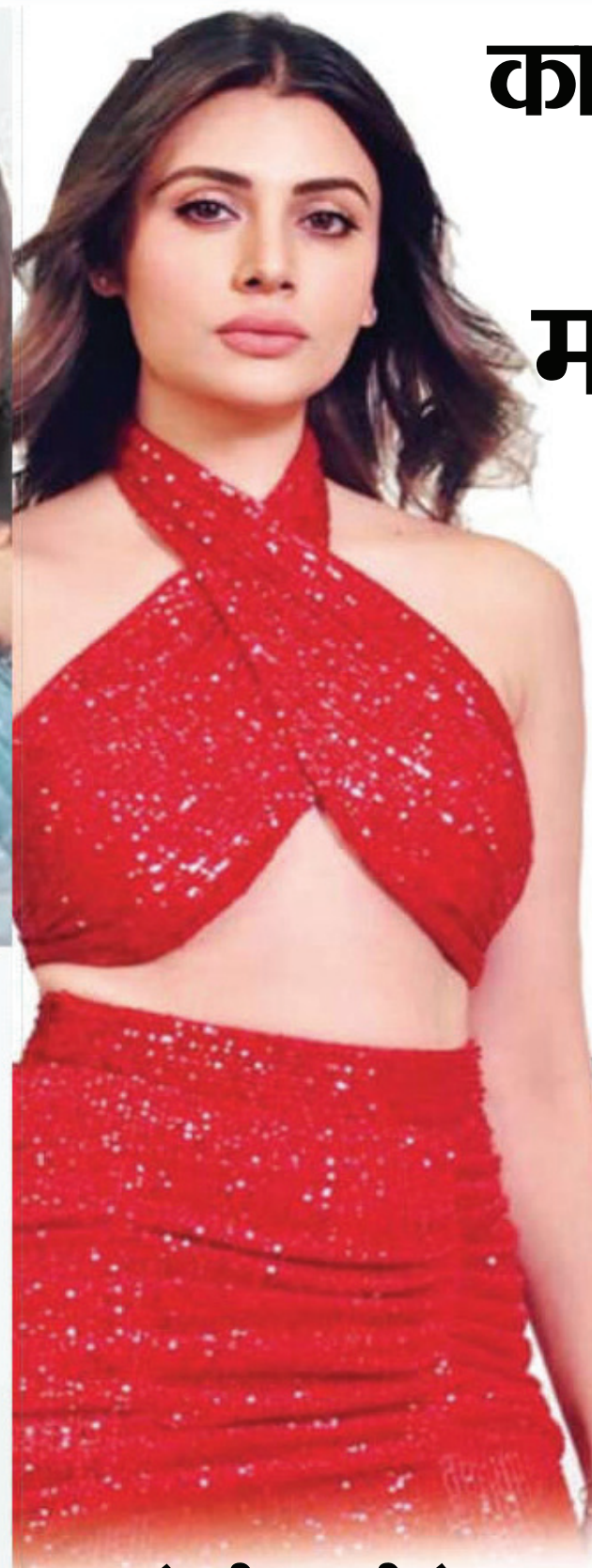

**बिग बॉस 19 में अपनी मजबूत पर्सनालिटी से लगभग फिनाले में अपनी जगह बना चुकी मालती चाहर अब शो के बाद भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में मालती ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के उस काले सच की ओर फिर से ध्यान खींच लिया, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं होती। मालती ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है।**

## जब कास्टिंग काउच का शिकार हुईं मालती

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे एक सीनियर फिल्ममेकर से मुलाकात उनके लिए डरावना अनुभव बन गई। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह एक प्रोजेक्ट को लेकर लगातार मीटिंग्स कर रही थीं। मालती के मुताबिक, काम खत्म होने के बाद उन्होंने शिष्टाचार के तौर पर सामने वाले को साइड हग किया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक हिला दिया।

## मालती ने क्या कुछ कहा?

इस घटना पर बात करते हुए मालती ने कहा, मैं नाम नहीं लूंगी लेकिन मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे सूत-समेत वापस दिया। तो मेरे साथ ये पहली घटना थी जो हुई। ये एक डायरेक्टर थे। वो बहुत उम्रदराज थे और मैं हैरान रह गई कि ये आखिर हुआ क्या। मालती ने बताया कि सीनियर फिल्ममेकर को इस तरह से हरकत करते देखना हैरानी भरा था। कुछ सेकंड तक उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभाला और वहां से दूरी बना ली। मालती का कहना है कि वह उस शख्स को एक सम्मानित और पिता तुल्य मानती थीं, इसलिए इस तरह के व्यवहार की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

## सभी को सतर्क रहने की दी सलाह

मालती ने इंटरव्यू में ये भी स्वीकार किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटनाएं इंडस्ट्री में आज भी होती हैं। उनके मुताबिक, कई बार लोग सामने वाले की बॉडी लैंग्वेज और नेचर को पढ़कर अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश करते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ज्यादातर लोग सीमाएं समझते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो लाइन क्रॉस कर जाते हैं। बिग बॉस 19 की बात करें तो यह सीजन दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहा। शो का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हुआ, जिसमें गौरव खन्ना ने ट्रॉफी अपने नाम की। फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणीत मोरे दूसरे रनर-अप बने। मालती चाहर ने भी शो में टॉप 6 तक का सफर तय किया था।

# सही समय पर बन रही है कॉकटेल 2

कृति सेनन मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो लगातार बड़ी फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की। अब अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्सों को साझा किया। साथ ही अपने साथी कलाकारों शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना को लेकर भी बात की।

## कृति ने की शाहिद और रश्मिका की तारीफ

कॉकटेल 2 के अपने को-एक्टर्स शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बारे में भी कृति ने बात की। उन्होंने कहा कि शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार रहा। निर्देशक होमी अदजानिया तो बिल्कुल पागल हैं। उनकी मस्ती ही हम सबको एक मजेदार सफर पर ले जाती है। 'कॉकटेल 2' में कृति शाहिद के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद दूसरी बार काम कर रही हैं। शाहिद को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वह कहते हैं, आपसे एक इंसान के तौर पर मिलकर अच्छा लगा। आपको इंसान न होने की वजह से बंधे रहने की जरूरत नहीं है।

# अभिनेत्री श्रीलीला ने एआई के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

सोशल मीडिया पर एआई का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। एक तरफ यह तकनीक जीवन को आसान बना रही है, तो दूसरी ओर इसके गलत इस्तेमाल से कई लोगों की छवि को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इसकी चपेट में मनोरंजन जगत के सितारे भी पीछे नहीं हैं। डीप फेक कंटेंट से परेशान कई सेलेब्स ने इसको लेकर आवाजें भी उठाई हैं। इसी कड़ी में साउथ सिनेमा की अभिनेत्री श्रीलाला ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने सभी से निवेदन किया कि बढ़ते एआई फेक वीडियो या किसी भी प्रकार के कंटेंट का समर्थन न करें। उन्होंने लिखा, मैं हाथ जोड़कर सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया एआई द्वारा बनाई गई गलत और फेक चीजों का समर्थन न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में जमीन-आसमान का फर्क है। मेरी नजर में टेक्नोलॉजी का उद्देश्य जिंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे और भी ज्यादा मुश्किल करना। उन्होंने आगे लिखा कि दुनिया की हर लड़की किसी की बेटी, बहन, पोती या दोस्त होती है, भले ही वह फिल्म इंडस्ट्री में काम क्यों न कर रही हो। हम सब एक ऐसे माहौल में काम करना चाहते हैं, जहां पर खुशी फैले और हर कोई सुरक्षित महसूस करे। श्रीलीला ने खुलासा किया कि व्यस्त शेड्यूल की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही बातों की जानकारी देर से प्राप्त हुई। इसी के साथ अभिनेत्री ने अपने फैंस और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें अलर्ट किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं हमेशा बातों को हल्के में लेकर अपनी दुनिया में मस्त रहती आई हूं, लेकिन यह सब बहुत परेशान करने वाला और दुखद है। मैं देख रही हूं कि मेरे कई सहकलाकार भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। मैं सभी की तरफ से यह बात रख रही हूं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, सम्मान और गरिमा के साथ, मैं अपने फैंस पर भरोसा रखते हुए, सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया हमारा साथ दें।

# तस्करों की कहानी लेकर आ रहे नीरज पांडे, इमरान हाशमी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

'स्पेशल ऑप्स' जैसी सीरीज और 'स्पेशल 26' व 'ए वेड्नेसडे' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और शरद केलकर जैसे सितारे नजर आएंगे। सीरीज की घोषणा हो गई है। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज सीरीज की घोषणा करते हुए मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सीरीज की शूटिंग के दौरान की झलक देखने को मिलती है। जिसमें निर्देशक नीरज पांडे डायरेक्शन करते नजर आते हैं। साथ ही इमरान हाशमी और शरद केलकर समेत सीरीज की स्टारकास्ट अलग-अलग सीन में नजर आती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि यह सीरीज एक्शन-सस्पेंस-थ्रिलर होने वाली है। अनाउंसमेंट वीडियो में इमरान हाशमी कस्टम ऑफिसर की यूनिफॉर्म में नजर आते हैं। जबकि शरद केलकर अलग-अलग अंदाज में दिखते हैं। फिलहाल अभी तक कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

# अपनी पहली फिल्म को इसलिए भूलना चाहती हैं राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी (2005) में एक छोटे रोल से बड़े पर्दे पर एक्टिंग की शुरुआत की। बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें 20 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म को भूलना चाहती हैं क्योंकि प्रोड्यूसर ने उनके साथ अजीब व्यवहार किया था। बातचीत में राधिका आप्टे ने खुलासा करते हुए बताया प्रोड्यूसर ने मुझे हौसला नहीं दिया, उन्होंने मुझे मेहनताना भी नहीं दिया। जब मेरी मां और मैंने कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए कहा, तो प्रोड्यूसर ने कहा कि उर्मिला मातोंडकर ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया या नहीं लेकिन उन्होंने मेरे साथ अजीब व्यवहार किया। इसलिए मैं अपनी पहली फिल्म भूलना चाहती हूं क्योंकि उस फिल्म का प्रोडक्शन बहुत अजीब था।

## वाह! लाइफ हो तो ऐसी को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं

राधिका आप्टे ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर महेश मांजरेकर ने उन्हें ब्रेन सर्जन नाम के एक नाटक में देखा था। इसलिए वह उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। वाह! लाइफ हो तो ऐसी में काम करने के बाद राधिका कॉलेज पूरा करने वापस चली गईं। कई वर्षों के बाद वह फिल्मों में वापस आईं। उनका कहना है कि वह उस फिल्म को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं।

## मैं कुछ मजेदार और ताजा करना चाहती थी

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही प्यारी फिल्म है। मुझे लगता है कि कभी-कभी जीवन में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। तेरे इश्क में एक इंटेंस और इमोशनली थका देने वाली फिल्म थी। मुझे लगता है कि मैं तुरंत कोई और इंटेंस फिल्म नहीं कर सकती थी। मुझमें वह क्षमता नहीं थी। मैं पूरी तरह से थक चुकी थी। मैं कुछ मजेदार, ताजा, कुछ ऐसा करना चाहती थी जो मैंने पहले कभी नहीं किया हो, कुछ ऐसा जिसका मैं आनंद ले सकूं।

# खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई

**टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा अब छोटे पर्दे से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही उनकी द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली फिल्म भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है।**

पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर तांडव जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। इन दिनों वह ओटीटी पर रिलीज अपनी नई फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती हैं।

## ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।

## हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं।

## जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है। जैसे टाइम पर लिफ्ट नहीं आएगी, गाड़ी के सामने बार-बार रेड लाइट आएगी, कभी टायर पंचर हो जाता है। तब लगता है कि जो चीज आप जल्दी से करना चाहो तो पूरी कायनात उस चीज के लिए रुकावटें खड़ी करने में लग जाती है। हालांकि, शाहरुख की फैन हूं तो मैं ऐसा नहीं मानती हूं।

## एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी।

## केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले– एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हालिया कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

## ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

## इंडिगो के हवाई जहाज मे मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों में भगदड़

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियां के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयरक्राफ्ट के अंदर घुस गई, जिसके कारण यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियां को कीटनाशक छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थी। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था,उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला,यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ। इसको लेकर यात्री मधुमक्खियां को धन्यवाद देरहे थे।

## नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत : वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

गाजियाबाद( एजेंसी)। गाजियाबाद से मेरठ खंड पर चलने वाली रैपिड रेल नमो भारत ट्रेन में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। चलती ट्रेन के अंदर एक युवक और युवती ने आपत्तिजनक हरकतें कीं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों यात्री सीट पर बैठे हुए अश्लील व्यवहार कर रहे हैं। यह घटना 24 नवंबर की बताई जा रही है, जब ट्रेन मोदीनगर (उत्तर) स्टेशन की ओर जा रही थी। बैकग्राउंड में ट्रेन की घोषणाएं भी स्पष्ट सुनाई दे रही हैं, जो वीडियो की प्रामाणिकता की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ईएमएस इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक अन्य यात्री भी दो सीट पीछे बैठा दिखाई दे रहा है। घटना के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाएं। ग्रामीण जोन के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि यदि वीडियो सही पाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर खुलासा किया कि यह वीडियो पिछले महीने 24 नवंबर का है। मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी और कुछ कार्रवाई भी की गई।

# उत्तर भारत में घने कोहरे का कहर~बर्फबारी से नेशनल हाईवे बंद प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** उत्तर और पूर्वी भारत के विशाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार को स्थिति इतनी विकट हो गई कि कोहरे की घनी चादर के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति नजर आई। कोहरे के इस कहर ने परिवहन के सभी माध्यमों–सड़क, रेल और हवाई यातायात–पर ब्रेक लगा दिया है। दर्जनों उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों समेत सैकड़ों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों यात्री स्टेशनों और हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। रविवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को बर्फीली हवाओं के कारण कोहरे से थोड़ी राहत की उम्मीद दिखी थी, लेकिन यह राहत क्षणिक साबित हुई। कुछ ही समय बाद कोहरे की एक मोटी परत ने पूरे क्षेत्र को फिर से अपनी चपेट में ले लिया। मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जिसकी वजह से वहां भारी हिमपात हो रहा है। भारी बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लद्दाख नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा है। वहीं, मैदानी इलाकों में ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है; दिल्ली के वजीरपुर जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी राहत की संभावना कम है। 21 दिसंबर की सुबह तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, 25 से 27 दिसंबर के बीच कोहरे का एक और दौर आने की आशंका है, जो विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेगा। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी अगले 24 से 48 घंटों तक कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। कोहरे के साथ-साथ शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के मोर्चे पर, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से 4 डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों जैसे तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी शीतलहर चलने का अनुमान जताया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी के बीच मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी और मैदानी इलाकों में चल रही बर्फीली हवाओं ने पूरे उत्तर भारत को एक कोल्ड चैंबर में तब्दील कर दिया है।

## इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने वालों के लिए अलर्ट जारी, उड़ानों के रद्द होने से बनी स्थिति

नई दिल्ली। धुंध और कोहरे के चलते अचानक फ्लाइट रद्द करना पड़ रहीं हैं। ऐसे इंडिगों ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने यात्रियों को अलर्ट कर कहा है कि घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट चेक कर लें और सुनिश्चित करें कहीं आपकी फ्लाइट रद्द तो नहीं हुई है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रविवार के लिए अपने यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो एयरलाइन ने सोशल मीडिया और आधिकारिक माध्यमों से

यात्रियों को सूचित किया है कि खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइन ने कहा है कि कम विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं होगा जिससे उड़ानें देरी से चल सकती हैं या उन्हें कैंसिल भी किया जा सकता है। इंडिगो की टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी बदलाव की स्थिति में यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाएगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले लिंक पर जाकर अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर देख लें। एयरलाइन ने उन यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं जिनकी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट को फिर से शेड्यूल कर सकते हैं। यदि यात्री यात्रा नहीं करना चाहते तो वे वेबसाइट के माध्यम से रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया है। धुंध और प्रदूषण के कारण सिर्फ इंडिगो ही नहीं बल्कि पूरा एविएशन सेक्टर प्रभावित है। शनिवार को कम दृश्यता के चलते दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 66 उड़ानें रद्द की गईं। श्रीनगर से 4 और अमृतसर-दिल्ली रूट की 3 उड़ानें खराब मौसम की भेंट चढ़ गईं।

## तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

**हैदराबाद (एजेंसी)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

# सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा कार्य करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक

मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

## दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

# नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद

यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, यही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेनदेन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

## जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

### एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीवी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीवी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल

संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि वह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना यूपीए काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉकआउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

# चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कहते हैं कि चोर चोरी से जाएं.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरु करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। वहीं चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न



खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com